छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

रायपुर

रायपुर, सोमवार 28 सितंबर 2026

वर्ष-07, अंक-270

पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

E-mail: eksatbulletin@gmail.com

Website: www.eksatbulletin.in

न्यूज इन शॉर्ट

पहले ईवीएम और अब चुनाव आयोग पर हार का ठीकराः कांग्रेस के सवालों पर बरसे सीएम धामी

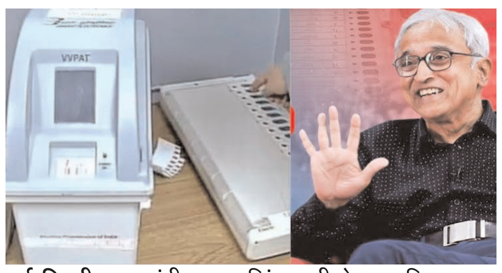

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि भारत के लोकतंत्र की मजबूती का आधार देश की संवैधानिक संस्थाएं हैं। चुनाव आयोग भी एक स्वतंत्र संवैधानिक संस्था है और उसके आधिकारिक निर्णयों को उसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि 26 सितंबर को मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार तथा निर्वाचन आयुक्त डॉ। सुखबीर सिंह संधू और डॉ। विवेक जोशी की पूर्ण आयोग की बैठक हुई। बैठक के बाद जारी नोट को पूरे आयोग की स्वीकृति प्राप्त है।उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि 24 जून 2025 को जारी स्ढ्ढक्रका मूल आदेश पूरे आयोग की सर्वसम्मति से जारी हुआ था। इसके बाद 12 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों तथा फिर 19 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में स्ढ्ढक्रकी समय-सारिणी भी आयोग की सर्वसम्मति से स्वीकृत हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी आंतरिक टिप्पणी को सीधे आयोग के अंतिम निर्णय में मतभेद के रूप में प्रस्तुत करना उचित नहीं है।हेडलाइन से नहीं, अंतिम संस्थागत निर्णय से तय होने चाहिए तथ्यमुख्यमंत्री धामी ने कहा कि एक समाचार रिपोर्ट में दो निर्वाचन आयुक्तों द्वारा विभिन्न विषयों पर कम-से-कम 14 आपत्तियां दर्ज किए जाने की बात कही गई है, लेकिन आयोग का आधिकारिक पक्ष है कि स्ढ्ढक्रसे संबंधित अंतिम आदेश सर्वसम्मति से लिए गए। के रूप में प्रस्तुत नहीं किया जाना चाहिए।

ऑनलाइन सट्टेबाजी केस में ED का बड़ा एक्शन, 'रमीकल्चर' की 442 करोड़ की संपत्ति जब्त

नई दिल्ली। रमीकल्चर केस में श्वष्ठ ने 442।35 करोड़ रुपये की प्रॉपर्टी अटैच की है। जांच में BOT के इस्तेमाल, यूजर्स को लुभाने वाले ऑफर और रकम को निवेश के जरिए खपाने के आरोप सामने आए हैं।ऑनलाइन रमी गेमिंग ऐप रमीकल्चर और उससे जुड़ी कंपनियों के मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने बड़ी कार्रवाई की है। बेंगलुरु जोनल ऑफिस तहत करीब 442।35 करोड़ रुपये की चल-अचल प्रॉपर्टी अटैच की है। यह कार्रवाई 25 सितंबर 2026 को जारी प्रोविजनल अटैचमेंट ऑर्डर के तहत की गई है।श्वष्ठ के मुताबिक अटैच की गई प्रॉपर्टी में फिक्स्ड डिपॉजिट में जमा रकम, कमर्शियल दुकानें, एक विला और कई रेजिडेंशियल प्रॉपर्टी शामिल हैं। ट्रस्ट और उनसे जुड़ी अलग-अलग कंपनियों के नाम पर बताई गई हैं।

देश की पहली एलएनजी ट्रेन शुरू गृह मंत्री अमित शाह ने दिखवाई हरी झंडी,

नई दिल्ली। देश की पहली एलएनजी ट्रेन शुरू हो गई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को साबरमती रेलवे स्टेशन से देश की पहली एलएनजी से चलने वाली ट्रेन को हरी झंडी दिखाई।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अहमदाबाद के साबरमती रेलवे स्टेशन से देश की पहली रुहृत्र से चलने वाली ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। इस कार्यक्रम के दौरान, साबरमती डिवीजन के लिए कई रेलवे प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन किया गया और कुछ अन्य प्रोजेक्ट्स की आधारशिला भी रखी गई। गुजरात को ?1,542 करोड़ से ज्यादा के रेलवे प्रोजेक्ट्स की सौगात दी गई।करीब ?411 करोड़ की लागत से 404 किलोमीटर लंबे रेल सेक्शन पर 'कवच' सिस्टम लागू किया गया। 122।57 किलोमीटर लंबे रेल सेक्शन पर ऑटोमैटिक ब्लॉक सिग्नलिंग शुरू की गई। ?700 करोड़ की लागत से बने लोकोमोटिव मेंटेनेंस शेड का उद्घाटन किया गया। ?313।27 करोड़ की लागत से 21 किलोमीटर लंबे साबरमती-सरखेज रेल सेक्शन को डबल करने का काम किया जाएगा।इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि लगभग?1,542 करोड़ से ज्यादा की लागत से किए गए ये विकास कार्य यात्रियों और इस इलाके के रेलवे नेटवर्क, दोनों के लिए बहुत महत्वपूर्ण साबित होंगे। इन प्रोजेक्ट्स में लोकोमोटिव मेंटेनेंस हब, 'कवच' सुरक्षा प्रणाली और ट्रैक को दोगुना करने का काम शामिल है।

अमित शाह ने बताया कि दिल्ली से यात्रा करते समय वे कई बार साबरमती रेलवे स्टेशन पर उतरे हैं। स्टेशन में पिछले कुछ सालों में आए बदलाव को देखते हुए उन्होंने रेलवे अधिकारियों और पूरी टीम को बधाई दी।

बार-बार जनता से ठुकरायी जा रही कांग्रेस अब देश के संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करने पर आमादा : श्री साय

राहुल गांधी को चुनाव आयोग और देश से भी माफी मांगनी चाहिए : मुख्यमंत्री साय

चुनाव आयोग के संयुक्त बयान से कांग्रेस और विपक्षी इण्डी गठबंधन के झूठ का पर्दाफाश, भ्रम और मनगढ़ंत कहानियों की राजनीति पूरी तरह ध्वस्त

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि लगभग सौ बार चुनाव हार चुके कांग्रेस नेता राहुल गांधी अब बौखलाहट में लगातार देशद्रोही आचरण पर उतारू हो गए हैं। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की अगुआई में कांग्रेस अब देश की तमाम संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करने, लगातार झूठ और फरेब के राजनीति कर देश को बदनाम करने में जुटी हुई है। श्री साय रविवार को यहाँ कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय में आहूत पत्रकार वार्ता को सम्बोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि देश के मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्त द्वय की संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस से यह साबित हो गया है कि आयोग में मतभेद संबंधी कांग्रेस के तमाम दावे न केवल खोखले हैं, बल्कि जान-बूझ कर देश की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचाने और भारत की संवैधानिक व्यवस्था को कमजोर करने की राहुल गांधी की सोची-समझी साजिश है। केंद्रीय चुनाव आयोग की संयुक्त प्रेस नोट से दूध का दूध और पानी का पानी हो गया है। यह फिर से साबित हो गया है कि कांग्रेस सिर्फ और सिर्फ झूठ, सनसनी और भ्रम फैलाने का काम कर रही है। उसका झूठ फिर से बेनकाब हो गया है। श्री साय ने कहा कि अपने संयुक्त बयान में आयोग ने यह स्पष्ट किया है कि एसआईआर समेत सभी फैसले तीनों चुनाव आयुक्तों की सर्वसम्मति से लिए गए। भारत के चुनाव आयोग की दुनियाभर में साख है। उसकी निष्पक्ष चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाना विपक्ष की हताशा का प्रतीक है। कांग्रेस को ऐसी हरकतों से बाज आना चाहिए। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इस संबंध में अंग्रेजी अखबार की रिपोर्ट भी कोरी कल्पना के अलावा कुछ नहीं है। समाचार में कैबिनेट सेक्रेटरी को लिखे जिस पत्र का जिक्र है, वह न तो किसी किसी नीतिगत विषय से संबंधित है, न ही एसआईआर से संबंधित। वह सामान्य प्रशासकीय विषय था। वैसे भी चुनाव आयोग सीधे राष्ट्रपति के प्रति जिम्मेदार है, इसलिए कैबिनेट सचिव को किसी नीतिगत मामले पर पत्र लिखने का कोई तुक ही नहीं है, न ही आयुक्तों ने ऐसा कोई पत्र लिखा है। श्री साय ने इस बात पर अफसोस जताया कि जिन विषयों को सुप्रीम कोर्ट तक सही ठहरा चुका है, उसके खिलाफ भी कांग्रेस झूठ फैला रही है। फॉर्म-6 के घोषणापत्र समेत अनेक विषयों पर सर्वोच्च न्यायालय से पहले ही पक्ष में निर्णय आ चुका है, फिर भी कांग्रेस संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करने की नाकाम कोशिश करती रहती है। कांग्रेस को संवैधानिक संस्थाओं पर बेबुनियाद आरोप लगाने के बजाय तथ्यों का सम्मान करना चाहिए। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जब भी कांग्रेस जनता की अदालत में पराजित होती है, वह अपनी खीझ और हताशा निकालने के लिए संवैधानिक संस्थाओं पर झूठे आरोप मढ़ने लगती है। निर्वाचन आयोग के स्पष्ट और कड़े वक्तव्य ने विपक्ष के सभी झूठ और दुर्भावनापूर्ण प्रोपेगेंडा की हवा निकाल दी है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और दोनों चुनाव आयुक्तों डॉ. एस. एस. संधू एवं डॉ. विवेक जोशी ने शनिवार को बैठक कर एक संयुक्त प्रेस वक्तव्य जारी किया जिसमें यह स्पष्ट कर दिया गया है कि देशभर में संचालित स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन सहित सभी प्रमुख निर्णय सर्वसम्मति से लिए गए हैं। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट ने 27 मई, 2026 को इस प्रक्रिया को कानूनी रूप से वैध ठहराया है। इसके बावजूद विपक्ष चुनाव आयोग की निष्पक्षता और प्रक्रियाओं पर झूठा कीचड़ उछालने का घिनौना काम कर रहा था।

श्री साय ने कहा कि देश की जनता भली-भाँति जानती है कि जितने भी राज्यों में चुनाव संपन्न हुए हैं, वे पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और स्वतंत्र रूप से संपन्न हुए हैं। कांग्रेस और उसके सहयोगी दल जब चुनाव हारते हैं, तो कभी ईवीएम पर, कभी संवैधानिक संस्थाओं पर तो कभी चुनाव आयोग पर झूठे आरोप लगाते हैं। चुनाव आयोग के इस पूर्ण और सर्वसम्मत बयान के बाद कांग्रेस नेतृत्व को देश और संवैधानिक संस्थाओं से बिना शर्त माफी मांगनी चाहिए।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि एक आदतन अपराधी की तरह राहुल गांधी लगातार संविधान का निरादर कर रहे हैं। संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम कर रहे हैं। हर बार और हर मंच पर मुंह की खाते हैं, बार-बार माफी मांगते हैं और फिर भी अपनी हरकतों से बाज नहीं आते। इसकी जितनी निंदा की जाय वह कम है। इससे पहले ईवीएम पर सवाल उठाते थे। उसे 'ब्लैक बॉक्स' कहते थे लेकिन उसी ईवीएम से जीत कर स्वयं भी सांसद हैं। और अनेक राज्यों में उनकी न केवल सरकार है बल्कि 600 से अधिक विधायक और 99 लोकसभा सदस्य हैं, जो इसी चुनाव प्रक्रिया और इसी ईवीएम से चुन कर आए हैं।

मन की बात

आज का भारत आतंक को देता है करारा जवाब

सिंघल-सर्जिकल स्ट्राइक और सोमनाथः मन की बात में क्या-क्या बोले पीएम मोदी

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

मन की बात कार्यक्रम में पीएम मोदी ने सर्जिकल स्ट्राइक, आतंकवाद, जनगणना और अशोक सिंघल का जिक्र किया। उन्होंने मोढेरा सूर्य मंदिर और उसके सोलर विलेज बनने की भी बात की।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम के जरिए देश को संबोधित किया। रविवार को कार्यक्रम के 138वें एपिसोड में पीएम ने आतंकवाद, जनगणना, सर्जिकल स्ट्राइक जैसे मुद्दों का जिक्र अपने संबोधन में किया। उन्होंने विश्व हिन्दू परिषद के पूर्व अंतरराष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष स्वर्गीय अशोक सिंघल को उनकी 100वीं जन्मजयंती पर याद किया। पीएम मोदी ने आतंकवाद पर बोलते हुए कहा कि आज का भारत आतंक को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं कर सकता है। हमने इसपर जीरे टॉलरेंस नीति अपनाई है। आइए आपको पीएम मोदी के संबोधन की बड़ी बातें बताते हैं।

सर्जिकल स्ट्राइक से आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस तक

पीएम मोदी ने मन की बात में 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक को भारत की बड़ी ऐतिहासिक उपलब्धियों में से एक बताया। उन्होंने कहा कि 28-29 सितंबर 2016 को भारतीय सेना ने एलओसी पार कर पाकिस्तान में मौजूद आतंकवादियों के ठिकानों पर कार्रवाई की थी। पीएम ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ भारत अब जीरो-टॉलरेंस की नीति के साथ आगे बढ़ रहा है।

युवा रत्न सम्मान योजना के लिए 30 अक्टूबर तक आवेदन आमंत्रित

एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला पेंड्रा मरवाही

खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा प्रदेश के युवाओं एवं स्वैच्छिक संगठनों को विभिन्न क्षेत्रों में किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रोत्साहित करने तथा राज्य स्तर पर सम्मानित करने के उद्देश्य से युवा रत्न सम्मान योजना संचालित की जा रही है। योजना के तहत पात्र युवाओं एवं स्वैच्छिक संगठनों से 30 अक्टूबर तक आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। योजना के अंतर्गत सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक, शैक्षणिक, खेल सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाले युवाओं का चयन किया जाएगा। इसके साथ ही उत्कृष्ट कार्य करने वाले एक स्वैच्छिक संगठन का भी चयन कर राज्य स्तर पर सम्मानित किया जाएगा।

योजना के तहत चयनित स्वैच्छिक संगठन को 5 लाख रुपए की सम्मान राशि के साथ पदक, शॉल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। इसी तरह छत्तीसगढ़ युवा रत्न सम्मान के लिए चयनित युवा को 2 लाख 50 हजार रुपए तथा अन्य युवा रत्न सम्मानों के लिए विभिन्न क्षेत्रों में चयनित प्रत्येक युवा को एक लाख रुपए की सम्मान राशि के साथ पदक, शॉल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। खेल एवं युवा कल्याण विभाग ने पात्र एवं प्रतिभाशाली युवाओं तथा उत्कृष्ट कार्य कर रहे स्वैच्छिक संगठनों से निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार 30 अक्टूबर तक आवेदन प्रस्तुत कर योजना का लाभ लेने की अपील की है।

वांगचुक ने सरकार को 2 अक्टूबर की डेडलाइन दी

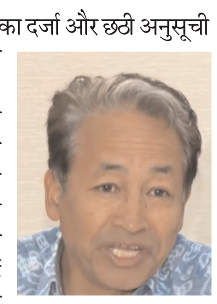

नई दिल्ली। लद्दाख को राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग पर सोनम वांगचुक ने 2 अक्टूबर तक की डेडलाइन दी है। उन्होंने को दिल्ली में मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि इस मामले में बहुत कम प्रगति हुई है।वांगचुक ने यह बात लेह में पिछले साल 24 सितंबर को हुई हिंसा के बाद ह्रस्न के तहत हिरासत में लिए जाने के एक साल पूरे होने पर कही। इस हिंसा में पुलिस कार्रवाई के दौरान चार लोगों की मौत हुई थी।

जोधपुर में वायुसेना का अभ्यास 'तरंग शक्ति', अमेरिका के F-35 जेट की हुई एंट्री

फ्रांस के 4 राफेल भी पहुंचे

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

भारत के बहुपक्षीय वायुसेना अभ्यास तरंग शक्ति 2026 का दूसरा संस्करण राजस्थान के जोधपुर में आयोजित किया गया है। इस संस्सकरण की शुरुआत हो गई है और आगामी 12 अक्टूबर 2026 तक चलेगा। इस अभ्यास में भारत समेत 8 देशों के वायु सेना के जवान हिस्सा ले रहे हैं। सबसे दिलचस्प बात ये है कि इस बार अमेरिका के अत्याधुनिक स्न-35 फाइटर जेट और फ्रांस के राफेल लड़ाकू विमान शामिल हुए हैं। अमेरिका के 6 स्न-35 लाइटनिंग ढ्ढढ्ढ जेट जोधपुर पहुंच गए हैं, जबकि फ्रांस ने 4 राफेल समेत अपने कई विमान भारत भेजे हैं।

एनडीटीवी डिफेंस समिट में कहा कि भारत शांति चाहता है

राजनाथ बोले-आतंकवाद को पनाह दी तो बातचीत की गुंजाइश खत्मः भारत शांति चाहता है लेकिन सुरक्षा से समझौता नहीं; हर तरह की कार्रवाई को तैयार

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

राजनाथ सिंह नई दिल्ली में आयोजित एनडीटीवी डिफेंस समिट 2026 में शामिल हुए थे।रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को पाकिस्तान को लेकर सख्त बयान दिया। उन्होंने कहा कि अगर पड़ोसी देश आतंकवाद को अपनी राज्य नीति के तौर पर जारी रखता है, तो भारत उससे बातचीत जारी नहीं रख सकता। देश आतंकवाद के खिलाफ हर तरह की कार्रवाई के लिए पूरी तरह तैयार है।सिंह ने दिल्ली में आयोजित एनडीटीवी डिफेंस समिट में कहा कि भारत शांति चाहता है और किसी दूसरे देश की जमीन पर कब्जा करने की इच्छा नहीं रखता। लेकिन शांति और कायरता में फर्क है। भारत अपनी सुरक्षा से किसी भी स्थिति में समझौता नहीं करेगा।

1. रणनीतिक स्वायत्तता पर समझौता नहीं- भारत वैश्विक स्थिरता चाहता है, लेकिन अपनी रणनीतिक स्वायत्तता की कीमत पर नहीं। हमारी नीति बिल्कुल स्पष्ट है।
2. भारत को 'सिविलाइजेशनल पावर' बताया- सिंह ने 'थ्यूसीडाइड्स ट्रैप' का जिक्र करते हुए कहा कि भारत को खुद को सिर्फ मौजूदा ताकत और उभरती ताकत के बीच के संघर्ष के तौर पर नहीं देखना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत न तो यथास्थिति बनाए रखने वाली ताकत है और न ही मौजूदा व्यवस्था बदलने वाली ताकत, बल्कि वह एक 'सिविलाइजेशनल पावर' है।. ऑपरेशन और सहयोग राष्ट्रीय हितों के हिसाब से- भारत ऑपरेशन चाहता है, लेकिन राष्ट्रीय हितों की कीमत पर नहीं। भारत सहयोग चाहता है, लेकिन राष्ट्रीय हितों की कीमत पर नहीं।पीएम मोदी ने आतंकवाद के पूरे तंत्र को खत्म करने की जरूरत बताईपीएम मोदी ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन में आतंकवाद के पूरे तंत्र को खत्म करने की जरूरत बताई थी। उन्होंने आतंकवाद की फंडिंग, भर्ती, कट्टरपंथ और सुरक्षित ठिकानों के खिलाफ कार्रवाई की बात कही थी।

न्यूज इन शॉर्ट

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बैकुंठपुर जिला कोरिया छ. ग. की तत्परता से मानसिक रोगी का उपचार जारी

एमसीबी ।माननीय सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण महोदया जी के निर्देशानुसार मनेंद्रगढ़ थाना क्षेत्रातर्गत एक विक्षिप्त मानसिक रूप से अस्वस्थ महिला को उदलकछार रेलवे फाटक के पास से रेस्क्यू कर तत्काल अधिकार मित्र अंजनी यादव थाना झगड़ा खाडं को सूचित किया एवं विक्षिप्त महिला का सहयोग के लिए विधिक सहायता देने हेतु उपस्थित होकरअधिकार मित्र अंजनी यादव थाना झगड़ाखाडं, सखी वन स्टॉप केंद्र चैनपुर महिला बाल विकास केंद्र प्रशासक के पास कॉल करके जानकारी दी गई अधिकार मित्र अजय विश्वकर्मा थाना मनेद्रगढ़ के द्वारा 112 के माध्यम से सखी वन स्टाफ केंद्र लाया गया जिस पर सखी वन स्टाफ केंद्र की केंद्र प्रशासक एवं महिला बाल विकास विभाग के कार्यक्रम अधिकारी के द्वारा उक्त महिला को भारती नहीं कि जा सकता की जानकारी दी गई तत संबंध में उक्त जानकारी जिला सचिव को दी गई माननीय सचिव महोदया जी के के निर्देशन पर मानसिक विक्षिप्त महिला को सखी वन स्टॉप केंद्र चैनपुर सेंटर से 108 के माध्यम से 220 बिस्तरीय सिटी अस्पताल में भारती कराया गया भर्ती कराए जाने के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा सखी वन स्टाफ केंद्र की केस वर्कर पूजा रजक और सुप्रिया तिवारी का सहयोग प्राप्त हुआ सिटी अस्पताल मनेंद्रगढ़ में मानसिक अस्वस्थ महिला का उपचार अभी जारी है, उक्त महिला का मेडिकल रिपोर्ट आने और न्यायालीन प्रक्रिया के बाद जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से मानसिक चिकित्सालय सेंदरी भेजनें की जानकारी प्राप्त हुई है सभी के संपूर्ण सहयोग से कार्य सफल किया गया

धमतरी के 86 आंगनबाड़ी केंद्रों में 'आंगन मिलन' का आयोजन

रायपुर। सेवा, संवेदना और जनसहभागिता की भावना को साकार करते हुए धमतरी जिले के 86 आंगनबाड़ी केंद्रों में 'आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत आयोजित इस विशेष पहल का मुख्य उद्देश्य आंगनबाड़ी केंद्रों को केवल पोषण वितरण तक सीमित न रखकर, इन्हें स्वास्थ्य, प्रारंभिक शिक्षा और सामाजिक संस्कारों के जीवंत सामुदायिक केंद्र के रूप में स्थापित करना है।

इस जिलाव्यापी कार्यक्रम में मगरलोड, कुरूद, धमतरी शहरी, धमतरी ग्रामीण और नगरी क्षेत्रों के आंगनबाड़ी केंद्रों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान केंद्रों में बच्चों की खिलखिलाहट, महिलाओं की सक्रिय भागीदारी और मैदानी कार्यकर्ताओं के समर्पित प्रयासों का एक अद्भुत संगम देखने को मिला। जिलेभर में आयोजित इन कार्यक्रमों में कुल 4,173 प्रतिभागियों ने अपनी सहभागिता दर्ज कराई, जिनमें 541 बच्चे, 1,028 महिलाएं और 1,930 पुरुष शामिल रहे। स्थानीय जनप्रतिनिधियों, विभागीय अधिकारियों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं और मितानिनों की उत्साही मौजूदगी ने इस आयोजन को एक सशक्त जन-आंदोलन का रूप दे दिया।

आयोजन के दौरान बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए खेल-आधारित व रचनात्मक गतिविधियां संचालित की गईं। इसके साथ ही उपस्थित जनसमुदाय को गुणवत्तापूर्ण पोषण, स्वास्थ्य संबंधी दिशा-निर्देशों, स्वच्छता, प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा (श्वष्टष्टश्व) तथा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में परिवार और समाज की भूमिका जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जागरूक किया गया।

कार्यक्रम में अपनी निष्ठापूर्वक सेवाएं दे रही आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं और मितानिनों को उनके सतत योगदान और सेवाभाव के लिए विशेष रूप से सम्मानित भी किया गया, जिससे मैदानी स्तर पर कार्यरत महिला एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के उत्साह में भारी वृद्धि देखी गई। महिला एवं बाल विकास विभाग का यह प्रयास अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक शासकीय सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के साथ-साथ समुदाय में बाल विकास और पोषण के प्रति एक नई सोच और सजगता विकसित कर रहा है।

एमसीबी का खड़गवां विकासखंड बना रोल मॉडल

घर-घर स्क्रीनिंग और आधुनिक जांच तेज

संवाददाता ➤ मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर

छत्तीसगढ़ के चयनित चार विकासखंडों में एमसीबी जिले का खड़गवां शामिल।डब्ल्यूएचओ और जापाईगोकी संयुक्त टीम कर रही है जमीनी मूल्यांकन।1000 की जनसंख्या पर 1 या उससे कम मरीज रखने का रखा गया है कड़ा लक्ष्य। (मॉलिक्यूलर जांच) जैसी आधुनिक तकनीकों से की जा रही है टीबी की पहचान।

जमीनी हकीकत परखने खड़गवां पहुंची केंद्रीय और राज्य स्तरीय संयुक्त टीमटीबी मुक्त भारत अभियान के तहत एमसीबी जिले का खड़गवां विकासखंड अब पूरी तरह से क्षय रोग (टीबी) मुक्त होने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य से चयनित चार विशेष विकासखंडों में खड़गवां को शामिल किया गया है।खड़गवां विकासखंड द्वारा वर्ष 2025 में टीबी उन्मूलन के क्षेत्र में हासिल की गई उपलब्धियों और टीबी मुक्त पंचायतों के दावों की

जमीनी हकीकत को परखने के लिए एक उच्च स्तरीय संयुक्त मूल्यांकन टीम खड़गवां पहुंच चुकी है। इस टीम में राज्य स्तरीय अधिकारियों के साथ-साथ थर्ड पार्टी वैश्विक संस्था जापाईगो और विश्व स्वास्थ्य संगठन के विशेषज्ञ शामिल हैं। यह टीम निर्धारित मानकों के आधार पर अभियान की गहन समीक्षा कर रही है।

शत-प्रतिशत स्क्रीनिंग और आधुनिक जांच पर विशेष जोरविकासखंड के समस्त गांवों में टीबी के संभावित मरीजों की पहचान के लिए ÷सक्रिय खोज अभियान÷) चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत-उच्च जोखिम समूह जोखिम वाले क्षेत्रों और आबादी की पहचान कर घर-घर जाकर स्क्रीनिंग की जा रही है।एक्स-रे और बलगम जांच- टीबी के थोड़े भी लक्षण दिखने पर मरीज का तत्काल छाती का एक्स-रे और बलगम परीक्षण कराया जा रहा है।आधुनिक मशीन- बीमारी की सटीक और जल्द पहचान के लिए आधुनिक मॉलिक्यूलर जांच का उपयोग किया जा रहा है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बैकुंठपुर जिला कोरिया छ. ग. की तत्परता से मानसिक रोगी का उपचार जारी

महेंद्र शुक्ला ➤ एमसीबी

माननीय सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण महोदया जी के निर्देशानुसार मनेंद्रगढ़ थाना क्षेत्रातर्गत एक विक्षिप्त मानसिक रूप से अस्वस्थ महिला को उदलकछार रेलवे फाटक के पास से रेस्क्यू कर तत्काल अधिकार मित्र अंजनी यादव थाना झगड़ा खाडं को सूचित किया एवं विक्षिप्त महिला का सहयोग के लिए विधिक सहायता देने हेतु उपस्थित होकरअधिकार मित्र अंजनी यादव थाना झगड़ाखाडं, सखी वन स्टॉप केंद्र चैनपुर महिला बाल विकास केंद्र प्रशासक के पास कॉल करके जानकारी दी गई अधिकार मित्र अजय विश्वकर्मा थाना मनेद्रगढ़ के द्वारा 112 के माध्यम से सखी वन स्टाफ केंद्र लाया गया जिस पर सखी वन स्टाफ केंद्र की केंद्र प्रशासक एवं महिला बाल विकास विभाग के कार्यक्रम अधिकारी के द्वारा उक्त महिला को भारती नहीं कि जा सकता की जानकारी दी गई तत संबंध में उक्त जानकारी जिला सचिव को दी गई माननीय सचिव महोदया जी के के निर्देशन पर मानसिक विक्षिप्त महिला को सखी वन स्टॉप केंद्र चैनपुर सेंटर से

108 के माध्यम से 220 बिस्तरीय सिटी अस्पताल में भारती कराया गया भर्ती कराए जाने के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा सखी वन स्टाफ केंद्र की केस वर्कर पूजा रजक और सुप्रिया तिवारी का सहयोग प्राप्त हुआ सिटी अस्पताल मनेंद्रगढ़ में मानसिक अस्वस्थ महिला का

उपचार अभी जारी है, उक्त महिला का मेडिकल रिपोर्ट आने और न्यायालीन प्रक्रिया के बाद जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से मानसिक चिकित्सालय सेंदरी भेजनें की जानकारी प्राप्त हुई है सभी के संपूर्ण सहयोग से कार्य सफल किया गया

सेवा संकल्प अभियान- कंटूर ट्रेंच से जल संरक्षण को मिलेगी नई मजबूती, कलेक्टर ने दिए सुरक्षा के साथ गुणवत्तापूर्ण कार्य के निर्देश

जल संरक्षण के साथ श्रमिकों की सुरक्षा पर भी जोर, कीड़े-मकोड़ों से बचाव के लिए सुरक्षा किट रखने के निर्देश

संवाददाता ➤ एमसीबी

सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले में जल संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों के संवर्धन और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार एवं आजीविका को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों का सतत निरीक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में वीबी-जी राम जी योजना के अंतर्गत कराए जा रहे कंटूर ट्रेंच निर्माण कार्य का कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े ने अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य की प्रगति, गुणवत्ता और कार्यस्थल पर श्रमिकों के लिए उपलब्ध सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया।कंटूर ट्रेंच निर्माण कार्य का उद्देश्य वर्षा जल को बहकर बाहर जाने से रोकना तथा उसे भूमि में अधिक से अधिक समाहित कराना है। इससे मिट्टी में नमी का संरक्षण होता है और भू-जल स्तर के पुनर्भरण में मदद मिलती है। विशेषकर वनांचल एवं ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह के जल संरक्षण कार्य खेती-किसानी, वनस्पतियों और स्थानीय जल स्रोतों के लिए उपयोगी साबित हो सकते हैं। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से जल संरक्षण को जनभागीदारी एवं सतत विकास से जोड़ते हुए ऐसे कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कंटूर ट्रेंच का निर्माण निर्धारित तकनीकी मापदंडों के अनुरूप गुणवत्तापूर्वक कराया जाए। उन्होंने कार्य की नियमित मॉनिटरिंग करने तथा निर्माण के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण से जुड़े कार्यों का लाभ लंबे समय तक ग्रामीण क्षेत्रों को मिल सके, इसके लिए निर्माण की गुणवत्ता और उपयोगिता दोनों पर विशेष ध्यान दिया जाना आवश्यक है।

श्रमिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता

कलेक्टर ने कार्यस्थल पर श्रमिकों की सुरक्षा व्यवस्था का भी जायजा लिया। उन्होंने निर्देश दिए कि कंटूर ट्रेंच निर्माण के दौरान कीड़े-मकोड़ों एवं अन्य जीव-जंतुओं से बचाव के लिए आवश्यक सुरक्षा किट उपलब्ध रखी जाए, ताकि श्रमिक सुरक्षित वातावरण में कार्य कर सकें। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सुरक्षा सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करने और श्रमिकों को आवश्यक सावधानियों के संबंध में जानकारी देने के निर्देश भी दिए।

जल संरक्षण के साथ रोजगार का माध्यम

कंटूर ट्रेंच जैसे कार्य ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण के साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी उपलब्ध कराते हैं। वर्षा जल के संरक्षण से भूमि में नमी बनी रहने, जलस्रोतों के पुनर्भरण और भविष्य में कृषि गतिविधियों को बेहतर बनाने में सहायता मिल सकती है। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से ऐसे कार्यों को योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है, ताकि ग्रामीण विकास के संरक्षण भी सुनिश्चित हो सके।

रेलवे कर्मचारियों के हित में कई अहम फैसले, विशेष ऋण सीमा 10 लाख

97वीं वार्षिक आम सभा में नवीकरण ऋण, ऑनलाइन सदस्यता और मृत्यु लाभ बढ़ाने समेत कई प्रस्ताव मंजूर

महेंद्र शुक्ला ➤ एमसीबी

SE, SEC एवं ECO रेलवे एम्प्लॉइज को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी लिमिटेड की 97वीं वार्षिक आम सभा का आयोजन शुक्रवार, 25 सितंबर 2026 को कोलकाता में चेयरपर्सन श्री एस.पी. सिंह की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में रेलवे कर्मचारियों और शेयरधारकों के वित्तीय हित, कल्याण एवं डिजिटल सुविधाओं को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।आम सभा में ?10 लाख तक के विशेष ऋण को मंजूरी दी गई है। इस ऋण की प्रस्तावित ब्याज दर 10 प्रतिशत वार्षिक रहेगी और यह सोसाइटी के नियम एवं शर्तों के अधीन होगा। वहीं पात्र शेयरधारकों के लिए नवीकरण ऋण की सीमा ?6.50 लाख से बढ़ाकर ?7.50 लाख करने का निर्णय लिया गया।

बैठक में 2 अक्टूबर 2026 से ऑनलाइन नई सदस्यता शुरू करने का भी निर्णय लिया गया। इसी तारीख से डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से ऑनलाइन ऋण आवेदन, ष्टस्ञ्जष्ठ शेष राशि की लाइव जानकारी तथा स्वैच्छिक ष्टस्ञ्जष्ठ भुगतान की सुविधा उपलब्ध कराई

जाएगी।

इसके अलावा 8वें वेतन आयोग के लागू होने के बाद रेलवे कर्मचारियों के संशोधित वेतन ढांचे के अनुरूप नई ष्टस्ञ्जष्ठ स्लैब लागू करने का निर्णय लिया गया है। पूर्व में काटी गई जमानत राशि की वापसी को भी मंजूरी दी गई है, जो अभिलेखों के सत्यापन एवं निर्धारित प्रक्रिया के अधीन होगी।सोसाइटी ने अपने सदस्यों के लिए मृत्यु लाभ ?10 हजार से बढ़ाकर ?30 हजार करने का फैसला लिया है। इसके साथ ही मृत्यु लाभ निधि में वार्षिक अंशदान ?30 से बढ़ाकर 90 प्रति शेयरधारक किया जाएगा। महामंत्री श्री पीतांबर लक्ष्मी नारायण, अध्यक्ष डी.के. स्वाइन, मंडल समन्वयक इंदल दमाहे, बी.डी. प्रसाद सहित निदेशक, प्रतिनिधि, अतिथि एवं शेयरधारक उपस्थित रहे।बैठक में डायरेक्टर रामकुमार यादव (बिलासपुर), डायरेक्टर भीमराव बोदलकर (रायपुर) एवं डायरेक्टर महेंद्र नंदेश्वर (नागपुर) भी मौजूद रहे। सोसाइटी के अनुसार लिए गए निर्णयों का उद्देश्य सदस्यों को अधिक सुविधाजनक, पारदर्शी और त्वरित वित्तीय एवं डिजिटल सेवाएं उपलब्ध कराना है।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं और मितानिनों का किया सम्मान

'आंगन मिलन' कार्यक्रम में शामिल हुईं केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर

'आंगन मिलन' कार्यक्रम में शामिल हुईं केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर

संवाददाता ➤ रायपुर

सेवा संकल्प अभियान के तहत आज दुर्ग जिले के भिलाई स्थित आंगनबाड़ी केंद्र सेक्टर-7 में 'आंगन मिलन' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर भी शामिल हुईं। इस अवसर पर दुर्ग ग्रामीण विधायक श्री ललित चंद्राकर, वरिष्ठ नागरिक श्री सुरेंद्र कौशिक, श्री पुरूषोत्तम देवांगन एवं महिला मोर्चा भिलाई की अध्यक्ष श्रीमती स्वीटी कौशिक उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यमंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर ने कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिकाएं और आशा कार्यकर्ता प्रधानमंत्री के सेवा-संकल्प की भावना के अनुरूप समर्पण के साथ कार्य कर रही हैं। वे शासन की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के साथ गर्भवती महिलाओं, माताओं और बच्चों की देखभाल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कार्यकर्ताओं द्वारा महिलाओं और बच्चों को पोषण, खान-पान तथा टीकाकरण के संबंध में समय-

समय पर आवश्यक जानकारी दी जाती है। उन्होंने कहा कि अच्छे कार्य के लिए मिलने वाला प्रोत्साहन कार्यकर्ताओं में और अधिक ऊर्जा के साथ काम करने की प्रेरणा देता है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को बच्चों के अभिभावकों के सहयोग की भी आवश्यकता होती है। अभिभावक अपने बच्चों को आंगनबाड़ी केंद्र भेजने के साथ कार्यकर्ताओं द्वारा दी जाने वाली जानकारी और मार्गदर्शन में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता और समाज एक-दूसरे के पूरक हैं।

पोषण और स्वच्छता पर दिया जोर

राज्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में पोषण माह के दौरान गर्भवती महिलाओं, किशोरियों तथा कम वजन एवं कुपोषित बच्चों के लिए पौष्टिक आहार के महत्व के संबंध में जागरूकता गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। महिलाओं का स्वास्थ्य बेहतर रहेगा, तभी परिवार सशक्त होगा। बच्चों को पर्याप्त पोषण और उचित देखभाल देकर उनके बेहतर भविष्य की नींव रखी जा सकती है। उन्होंने स्वच्छता को भी स्वस्थ जीवन का महत्वपूर्ण आधार बताते हुए कहा कि घर-परिवार और आसपास के वातावरण में साफ-सफाई रखने से अनेक बीमारियों से बचाव किया जा सकता है। उन्होंने महिलाओं से अपील की कि वे अपने आसपास की अन्य महिलाओं को भी पोषण, स्वच्छता और शासन की विभिन्न योजनाओं के प्रति जागरूक करें तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित करें।

विकसित भारत के संकल्प में सभी की भागीदारी जरूरी

राज्यमंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर ने कहा कि शासन की योजनाओं को सफल बनाने में जनता की सहभागिता महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में समाज के प्रत्येक व्यक्ति को अपनी भूमिका निभानी होगी। उन्होंने उपस्थित लोगों से आंगनवाड़ी केंद्रों से निरंतर जुड़े रहने तथा कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं, अधिकारियों और पर्यवेक्षकों का सहयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी केंद्र केवल कार्यकर्ताओं के लिए नहीं, बल्कि महिलाओं और बच्चों के लिए हैं। अभिभावकों को समय-समय पर आंगनवाड़ी केंद्र पहुंचकर बच्चों की वृद्धि, पोषण और सीखने की प्रगति की जानकारी लेनी चाहिए तथा आवश्यकता होने पर कार्यकर्ताओं से मार्गदर्शन लेना चाहिए।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहयोगियों का सम्मान

कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट सेवाओं और आंगनवाड़ी केंद्रों में सहयोग के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती संगीता खड़से एवं गुरमीत कौर, आंगनवाड़ी सहायिका श्रीमती कामिन साहू एवं डी. महालक्ष्मी, मितानिन शकुन्तला तथा आंगनवाड़ी में सहयोग करने के लिए डुलेश्वरी को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मिलेट्स से तैयार विभिन्न व्यंजनों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। इसके माध्यम से मोटे अनाज के पोषण संबंधी महत्व और उनके उपयोग को प्रदर्शित किया गया।

न्यूज इन शॉर्ट

आरंग में बाढ़ प्रभावित परिवारों का रेस्क्यू, निसदा और गोइंदा के लोग सुरक्षित स्थानों पर पहुंचे

रायपुर। लगातार दो दिनों से हो रही बारिश के कारण विकासखंड आरंग के महानदी से लगे ग्राम निसदा और गोइंदा में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई। स्थिति को देखते हुए कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देश पर प्रशासन और राहत दल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रभावित परिवारों का रेस्क्यू किया। सभी प्रभावित लोगों को सुरक्षित और ऊंचे स्थानों पर पहुंचाया गया है। राहत एवं बचाव कार्य की निगरानी एसडीएम आरंग अभिलाषा पैकरा के मार्गदर्शन में की जा रही है। प्रशासन की टीम लगातार प्रभावित क्षेत्रों में मौजूद रहकर स्थिति पर नजर बनाए हुए है। बारिश के कारण महानदी के आसपास के इलाकों में जलभराव बढ़ने के बाद प्रशासन ने प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की कार्रवाई शुरू की। द्यह्य॰ ऋड्डस्र – राजनीतिक पद का सपना दिखाकर लाखों ऐंठे, महिला को पुलिस ने हिरासत में लिया ज़्यादा जानें मिलिट्री गियर देखें छत्तीसगढ़ समाचार वेबसाइट युद्ध वृत्तचित्र देखें प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम निसदा में करीब 100 परिवारों के लगभग 300 लोग बारिश और जलभराव से प्रभावित हुए हैं। वहीं ग्राम गोइंदा में 8 परिवारों के प्रभावित होने की जानकारी सामने आई है। प्रशासन और राहत दल ने दोनों गांवों में पहुंचकर प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। ग्राम पंचायत की ओर से राहत शिविर में प्रभावित लोगों के लिए जरूरी व्यवस्थाएं की गई हैं। कलेक्टर के निर्देश पर शिविर में भोजन, पेयजल और विश्राम की व्यवस्था की गई है। ग्राम गोइंदा में बाढ़ प्रभावित लोगों को भोजन भी कराया गया। द्यह्य॰ ऋड्डस्र – पत्नी को आत्महत्या के लिए उकसाने का डॉक्टर पति दोषी, हाईकोर्ट का फैसला प्रशासन के मुताबिक, फिलहाल सभी प्रभावित लोग सुरक्षित हैं। राहत शिविर में लोगों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। प्रशासनिक अधिकारी और राहत दल प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति पर लगातार नजर रख रहे हैं। लगातार बारिश के कारण महानदी से लगे गांवों में जलभराव की स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने राहत एवं बचाव कार्य तेज किया है। टीमों को प्रभावित इलाकों में सक्रिय रखा गया है, ताकि जरूरत पड़ने पर अन्य लोगों को भी तत्काल सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया जा सके। द्यह्य॰ ऋड्डस्र – रायपुर के श्वष्ह्व क्लब पार्टी के बीच मारपीट, 4 युवक हिरासत में कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने अधिकारियों को प्रभावित लोगों की सुरक्षा और आवश्यक सुविधाओं को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए हैं। इसके बाद प्रशासनिक अमला और राहत दल गांवों में लगातार सक्रिय हैं। एसडीएम आरंग अभिलाषा पैकरा के मार्गदर्शन में रेस्क्यू और राहत कार्य जारी है। निसदा में बड़ी संख्या में परिवार प्रभावित होने के कारण प्रशासन की टीम ने लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। वहीं गोइंदा में प्रभावित आठ परिवारों को भी सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया है। राहत शिविर में भोजन और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। द्यह्य॰ ऋड्डस्र – गणेश विसर्जन की झांकी पर लाठीचार्ज, लोगों ने किया ह्र॥-130 पर चक्काजाम प्रशासन की ओर से बताया गया है कि प्रभावित लोगों की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। बारिश और जलभराव की स्थिति को देखते हुए राहत एवं बचाव दल को सतर्क रखा गया है। जरूरत पड़ने पर तत्काल रेस्क्यू की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल निसदा और गोइंदा के सभी प्रभावित परिवार सुरक्षित स्थानों पर हैं। प्रशासन की टीम लगातार क्षेत्र का निरीक्षण कर रही है और राहत कार्य में जुटी हुई है।

घरेलू हिंसा कानून का दायरा सिर्फ पति तक नहीं, CG हाईकोर्ट का महत्वपूर्ण फैसला

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण मामले में सुनवाई करते हुए कहा है कि घरेलू हिंसा के मामलों में केवल पति ही नहीं, बल्कि परिवार के अन्य सदस्य जैसे सास, बहू, ननद और उसके मायके पक्ष के लोग भी दायरे में आ सकते हैं। हाईकोर्ट के सिंगल बेंच ने बहू और उसके परिजनों की याचिका खारिज करते हुए कहा है कि साझा घर और पारिवारिक रिश्तों से जुड़े विवादों का फैसला बिना सबूतों और गवाहों के शुरुआती स्तर पर नहीं किया जा सकता, इसके लिए ट्रायल जरूरी है। इस मामले में महत्वपूर्ण बात यह है कि यहां शिकायत किसी बहू ने अपनी सास के खिलाफ नहीं बल्कि सास और ननद ने अपनी बहू और उसके मायके पक्ष के लोगों के खिलाफ दर्ज कराई थी।

एसआईआर पर निर्वाचन आयोग के अहम फैसले, नोटिस पाने वालों के घर पहुंचेंगे बीएलओ

दावे-आपत्तियों की समय-सीमा बढ़ी, दिल्ली में 30 अक्टूबर और महाराष्ट्र में 12 अक्टूबर तक मौका

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

भारत निर्वाचन आयोग की 26 सितंबर को हुई बैठक में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर मतदाताओं की सुविधा के लिए कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। आयोग ने नोटिस पाने वाले मतदाताओं को कार्यालय बुलाने के बजाय घर जाकर दस्तावेज लेने, जरूरतमंद लोगों के लिए हेल्प डेस्क और विशेष शिविर लगाने तथा दावे-आपत्तियों की समय-सीमा बढ़ाने का निर्णय लिया।

नोटिस पाने वालों के घर जाएंगे बीएलओ

एसआईआर के दौरान अनमैप्ड होने या तार्किक विसंगतियों के कारण जिन लोगों को नोटिस जारी हुए हैं, उनके घर जाकर बीएलओ आवश्यक दस्तावेज एकत्र करेंगे। दस्तावेज ईसीआईनेट पर अपलोड किए जाएंगे और ईआरओ उनके आधार पर निर्णय लेंगे। सामान्य स्थिति में ऐसे मतदाताओं को ईआरओ या एईआरओ कार्यालय में सुनवाई के लिए बुलाने की जरूरत नहीं होगी। विशेष परिस्थिति में सुनवाई ऑनलाइन की जा सकेगी। जरूरत पड़ने पर मतदाता परिवार के किसी वयस्क सदस्य को अपनी ओर से उपस्थित होने के लिए अधिकृत कर सकेगा। जरूरतमंदों के लिए हेल्प डेस्क और विशेष शिविर जिला निर्वाचन अधिकारियों को रैन बसेरों में रहने वाले लोगों, श्रमिकों, निर्धन और बेघर लोगों के लिए जरूरत के अनुसार हेल्प डेस्क स्थापित करने या विशेष शिविर लगाने के निर्देश दिए गए हैं। आयोग ने स्पष्ट किया है कि एसआईआर में फॉर्म-6 के साथ लगी घोषणा मान्य है। एसआईआर अवधि के बाहर नाम जोड़ने के लिए निर्वाचन नियम, 1960 के अनुसार निर्धारित फॉर्म का उपयोग किया जाएगा।

ईसीआईनेट की होगी विशेषज्ञ समिति से समीक्षा

ईसीआईनेट प्रणाली की समीक्षा के लिए वरिष्ठ उप निर्वाचन आयुक्त की अध्यक्षता में समिति गठित की जाएगी। इसमें आईआईटी/आईआईआईटी के स्वतंत्र विशेषज्ञ को भी शामिल किया जाएगा। समिति यह देखेगी कि प्रणाली कानून और नियमों के अनुरूप काम कर रही है या नहीं। राज्यों से मिले सुझावों के आधार पर पोर्टल में कई सुधार पहले ही किए जा चुके हैं।

दिल्ली में 30 अक्टूबर तक दर्ज होंगे दावे-आपत्तियां

दिल्ली में दावे और आपत्तियां दर्ज कराने की अंतिम तारीख 30 अक्टूबर 2026 कर दी गई है। नोटिस तथा दावे-आपत्तियों के निस्तारण की अवधि 30 नवंबर 2026 तक बढ़ाई गई है। महाराष्ट्र में दावे और आपत्तियां 12 अक्टूबर 2026 तक तथा नोटिस और दावे-आपत्तियों का निस्तारण 10 नवंबर 2026 तक किया जा सकेगा।

बैठकों का एजेंडा पहले मिलेगा, कार्यवृत्त भी होगा जारी

आयोग की सभी बैठकों का एजेंडा पहले से वितरित किया जाएगा और बैठक का कार्यवृत्त जारी किया जाएगा। अधिकारियों की वार्षिक कार्य निष्पादन मूल्यांकन रिपोर्ट (एपीएआर) प्रत्येक वर्ष 31 दिसंबर तक पूरी की जाएगी। अधिकारियों की विदेश यात्रा के लिए आयोग की पूर्व स्वीकृति जरूरी होगी।

छूटे मतदाताओं के नाम जोड़ने के लिए विशेष अभियान

आयोग के अनुसार बिहार और पश्चिम बंगाल सहित 20 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर का कार्य पूरा हो चुका है। एसआईआर के दौरान या बाद में नाम छूट जाने वाले नागरिक, युवा और पहली बार मतदाता बनने वाले लोग निरंतर अद्यतनीकरण की प्रक्रिया के तहत संबंधित ईआरओ को आवेदन कर सकते हैं। सीईओ, डीईओ और ईआरओ को ऐसे मतदाताओं के पंजीकरण के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं।

गोवा में 97 में से 81 मतदाताओं ने भरा फार्म-6

आयोग ने बताया कि गोवा में संबंधित बीएलओ को छूटे हुए मतदाताओं के घर-घर जाकर फॉर्म लेने के निर्देश दिए गए हैं। अब तक 97 में से 81 मतदाता नाम शामिल कराने के लिए फॉर्म-6 भर चुके हैं।

आयोग ने यह भी स्पष्ट किया कि 26 सितंबर 2026 की बैठक में लिए गए सभी निर्णय पूर्ण आयोग की स्वीकृति के बाद जारी किए गए हैं। आयोग ने एसआईआर प्रक्रिया को मतदाताओं के लिए अधिक सुगम बनाने और छूटे हुए पात्र नागरिकों को नाम जुड़वाने का अवसर देने के लिए आवश्यक निर्देश जारी किए हैं।

कच्चे घर से पक्के आशियाने तक: प्रधानमंत्री आवास योजना ने बदली फूलमती की जिंदगी

सपनों को मिला अपना घर- प्रधानमंत्री आवास योजना से फूलमती के जीवन में आई नई खुशियां

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

कभी बारिश में टपकती छत और कच्ची दीवारों के बीच जीवन बिताने वाले ग्राम पंचायत नौढ़िया निवासी फूलमती का जीवन आज पूरी तरह बदल चुका है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मिले पक्के आवास ने उनके परिवार को न केवल सुरक्षित आश्रय दिया है, बल्कि सम्मान, आत्मविश्वास और बेहतर भविष्य की नई उम्मीद भी दी है।

केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री आवास योजना का प्रभाव जिले में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन तथा जिला प्रशासन की सतत मॉनिटरिंग से पात्र हितग्राहियों तक योजना का लाभ तेजी से पहुंचाया जा रहा है। कलेक्टर के निर्देशन में जनपद पंचायत भरतपुर द्वारा समय-समय पर शिविर एवं विशेष अभियान आयोजित कर हितग्राहियों को योजना से जोड़ने और निर्माण कार्य समय पर पूर्ण कराने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इन्हीं प्रयासों का परिणाम है कि आर्थिक रूप से कमजोर फूलमती, जो वर्षों तक कच्चे मकान में कठिन परिस्थितियों के बीच जीवन व्यतीत करते रहे, आज अपने पक्के और सुरक्षित घर में खुशी के साथ रह रहे हैं। ग्राम पंचायत नौढ़िया की पहल से उन्हें पीएम आवास योजना के अंतर्गत आवास की स्वीकृति मिली। फूलमती बताते हैं कि पहले बरसात के दिनों में सबसे अधिक परेशानी होती थी। कच्ची दीवारें और टपकती छत के कारण परिवार हमेशा चिंता में रहता था। अब पक्का घर बनने से उनके परिवार को हर मौसम में सुरक्षा, सुविधा और सम्मानजनक जीवन मिला है। उनके बच्चों को पढ़ाई के लिए बेहतर वातावरण मिला है और परिवार का आत्मविश्वास भी बढ़ा है।

महतारी वंदन योजना से लक्ष्मी मांझी की जिंदगी के आया बदलाव, सिलाई मशीन से बनीं आत्मनिर्भर

एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला पेंड्रा मरवाही,

महतारी वंदन योजना महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। गौरेला विकासखंड के ग्राम पंचायत गोरखपुर के आवास मोहल्ला निवासी श्रीमती लक्ष्मी मांझी भी इस योजना से लाभान्वित होकर अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। श्रीमती लक्ष्मी मांझी ने बताया कि उन्हें महतारी वंदन योजना की 31वीं किस्त की राशि उनके बैंक खाते में प्राप्त हुई है। योजना के तहत मिलने वाली राशि को उन्होंने परिवार की जरूरतों के साथ-साथ अपने स्वरोजगार को बढ़ावा देने में उपयोग किया। उन्होंने योजना से प्राप्त राशि को इकट्ठा करके सिलाई मशीन खरीदी, जिससे अब वे घर पर ही सिलाई का कार्य कर आय अर्जित कर रही हैं। सिलाई मशीन से लक्ष्मी मांझी की आत्मनिर्भरता की नई राह खुली है। वे अपनी आय से परिवार की आर्थिक जरूरतों में सहयोग कर रही हैं। साथ ही, बच्चों की पढ़ाई-लिखाई में भी इस राशि का उपयोग कर रही हैं। उनका कहना है कि महतारी वंदन योजना से मिलने वाली आर्थिक सहायता ने उन्हें अपने परिवार के लिए बेहतर भविष्य की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर दिया है। लक्ष्मी को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन का लाभ भी मिला है। इससे उन्हें घरेलू कार्यों में सुविधा मिली है और परिवार के जीवन स्तर में भी सकारात्मक बदलाव आया है।लक्ष्मी मांझी ने महतारी वंदन योजना सहित शासन की अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं से मिले लाभ के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के प्रति आभार व्यक्त किया है।

नागपुर चौकी पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 9 क्विंटल 19 किलो गांजा जब्त

एमसीबी। मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ जिला पुलिस एमसीबी की कार्रवाई में नागपुर चौकी पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। एनएच-43 पर संदिग्ध वाहनों की चेकिंग के दौरान पुलिस ने दो पिकअप वाहनों से 9 क्विंटल 19 किलोग्राम गांजा बरामद किया। मामले में 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर दो पिकअप वाहन जब्त किए गए हैं।

पुलिस के अनुसार जब्त गांजे की अनुमानित कीमत 4 करोड़ 59 लाख 50 हजार रुपये है, जबकि दोनों वाहनों की कीमत करीब 10 लाख रुपये आंकी गई है। इस तरह पुलिस ने कुल 4 करोड़ 69 लाख 50 हजार रुपये का मशरूका जब्त किया है।

कार्रवाई के संबंध में अपराध क्रमांक 147/2026 दर्ज कर धारा 20(ड्ढ), 2(ष्ट) एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। जब्त वाहनों के क्रमांक ह्रष्ठ 14 रु9682 और ह्रष्ठ 14 3468 बताए गए हैं। प्रारंभिक पूछताछ में गांजा ओड़िशा से मध्यप्रदेश ले जाए जाने की जानकारी सामने आई है। पुलिस अब गांजे के स्रोत, सप्लायर, परिवहनकर्ता और अंतिम गंतव्य तक पहुंचने के लिए पूरे नेटवर्क की श्वठ्ठस्र-ह्रश्च-श्वठ्ठस्र विवेचना कर रही है।

‘सेंट्रल इंडिया कनेक्ट मार्केटप्लेस’ में जीपीएम जिले के पर्यटन वैभव की आकर्षक प्रस्तुति

विश्व पर्यटन दिवस पर विशेष स्टॉल के माध्यम से जिले के प्राकृतिक, ऐतिहासिक एवं धार्मिक पर्यटन स्थलों का प्रदर्शन

पर्यटन संभावनाओं को नई पहचान दिलाने जिला प्रशासन कर रहा सतत प्रयास - कलेक्टर विजय दयाराम के.

एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला पेंड्रा मरवाही,

विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड एवं छत्तीसगढ़ ट्रैवल ट्रेड एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में राजधानी रायपुर में आयोजित ‘सेंट्रल इंडिया कनेक्ट मार्केटप्लेस’ में गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले की समृद्ध प्राकृतिक, ऐतिहासिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत को विशेष रूप से प्रदर्शित किया गया। प्रतिष्ठित आयोजन में जीपीएम जिले की पर्यटन संभावनाओं को व्यापक पहचान दिलाने के उद्देश्य से विशेष स्टॉल लगाई गई है। स्टॉल के माध्यम से जिले के नैसर्गिक सौंदर्य, हरे-भरे वनांचल, ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक धरोहरों, धार्मिक आस्था के केंद्रों तथा प्रमुख पर्यटन स्थलों की विशेषताओं को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया गया। आयोजन में पहुंचने वाले पर्यटन क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधियों एवं आगंतुकों को जिले के पर्यटन स्थलों और उनकी विशिष्टताओं से परिचित कराया गया। कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. ने विश्व पर्यटन दिवस पर कहा कि गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिला प्रकृति, संस्कृति और विरासत का अनूठा संगम है। जिले में पर्यटन विकास की व्यापक संभावनाएं मौजूद हैं। जिला प्रशासन द्वारा पर्यटन स्थलों के संरक्षण, स्वच्छता, सौंदर्यीकरण तथा उन्हें व्यापक पहचान दिलाने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पर्यटन को बढ़ावा मिलने से जिले की विशिष्ट पहचान स्थापित होने के साथ स्थानीय लोगों के लिए रोजगार एवं आजीविका के नए अवसर भी विकसित होंगे। उन्होंने कहा कि जिले की प्राकृतिक एवं ऐतिहासिक धरोहरों को पर्यटन मानचित्र पर प्रमुखता से स्थापित करने के लिए स्थानीय समुदाय की सहभागिता भी महत्वपूर्ण है। पर्यटन स्थलों को स्वच्छ, सुंदर और प्लास्टिक मुक्त रखने के साथ उनकी प्राकृतिक पहचान को संरक्षित रखना सभी की साझा जिम्मेदारी है।

‘सेंट्रल इंडिया कनेक्ट मार्केटप्लेस’ में जीपीएम जिले की सहभागिता जिले के पर्यटन स्थलों को प्रदेश एवं देश के पर्यटन जगत के समक्ष प्रस्तुत करने का महत्वपूर्ण अवसर है। विशेष स्टॉल के माध्यम से जिले की पर्यटन संपदा की ब्रांडिंग और प्रचार-प्रसार के साथ पर्यटकों को जीपीएम की प्राकृतिक सुंदरता, ऐतिहासिक विरासत एवं सांस्कृतिक विविधता से रूबरू कराया जा रहा है।

जिले के 270 परीक्षा केंद्रों में हुआ बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान का मूल्यांकन

उल्लास महापरीक्षा में 5518 नवसाक्षरों ने उत्साहपूर्वक लिया हिस्सा

78 वर्ष के बुजुर्ग से लेकर सास-बहू तक ने दी परीक्षा, सीखने का दिखा उत्साह

एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला पेंड्रा मरवाही,

उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत रविवार को जिले में उल्लास महापरीक्षा उत्साहपूर्ण वातावरण में आयोजित हुई। कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. के मार्गदर्शन में जिले के तीनों विकासखंडों की ग्राम पंचायतों एवं तीनों नगरीय निकायों में बनाए गए 270 परीक्षा केंद्रों में प्रातः 10 बजे से शाम 5 बजे तक बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान मूल्यांकन परीक्षा आयोजित की गई। परीक्षा में 5518 नवसाक्षर परीक्षार्थी शामिल हुए। परीक्षा के व्यवस्थित संचालन के लिए 270 केंद्राध्यक्ष एवं 344 पर्यवेक्षक-सहमूल्यांकनकर्ता नियुक्त किए गए। जिला एवं विकासखंड स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित कर परीक्षा की सतत निगरानी की गई। जिला शिक्षा अधिकारी श्री रजनीश तिवारी सहित जिला एवं विकासखंड स्तरीय मॉनिटरिंग दलों ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

महापरीक्षा में नवसाक्षरों का उत्साह देखते ही बना। विभिन्न केंद्रों में सास-बहू, पति-पत्नी और देवरानी-जेठानी सहित एक ही परिवार के सदस्यों ने भी परीक्षा में भाग लेकर शिक्षा के प्रति प्रेरक संदेश दिया। 65 वर्षीय श्रीमती दौजी बाई ने अपनी 38 वर्षीय बहू श्रीमती रुक्मणी बाई के साथ परीक्षा दी। वहीं बेलपत में 78 वर्षीय प्रेम सिंह और 72 वर्षीय कृपाल सिंह ने मूल्यांकन परीक्षा में शामिल होकर यह संदेश दिया कि सीखने की कोई उम्र नहीं होती।

न्यूज इन शॉर्ट

पत्नी को आत्महत्या के लिए उकसाने का डॉक्टर पति दोषी, हाईकोर्ट का फैसला

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने डॉक्टर पति को पत्नी को आत्महत्या के लिए उकसाने का दोषी करार दिया है। कोर्ट ने कहा कि आरोपी पति के अवैध संबंधों और लगातार दी जा रही शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना के कारण पत्नी के पास मौत के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं बचा था। मामले में अब सजा तय करने के लिए आरोपी और उसके अधिवक्ता को 26 अक्टूबर को तलब किया गया है। मामले की सुनवाई जस्टिस नरेंद्र कुमार व्यास की सिंगल बेंच में हुई। बता दें, कि बिलासपुर की निचली अदालत ने आईपीसी की धारा 498–ए के तहत 3 साल की सजा दी थी, जबकि उकसाने के आरोप से बरी कर दिया था। जिसे मृतका के भाई ने हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। डॉक्टर ने भी सजा के खिलाफ अपील की थी।
द्यह्य‘ ऋद्धइस्र – राजनीतिक पद का सपना दिखाकर लाखों ऐंठे, महिला को पुलिस ने हिरासत में लिया दरअसल, बिलासपुर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र में रहने वाली रश्मि प्रकाश ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। मृतका के भाई आशीष नाथ ने सिविल लाइन थाने में शिकायत करते हुए आरोप लगाया, कि पति डॉ। संजय प्रकाश के हिंसा और उकसाने से उनकी बहन ने खुदकुशी की। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, बिलासपुर की अदालत ने 28 जून 2016 को दिए गए फैसले में आरोपी डॉक्टर को धारा 498–ए (पति या रिश्तेदार द्वारा क्रूरता) के तहत 3 साल की सजा और 10 हजार रुपए जुर्माने की सजा दी थी। लेकिन आत्महत्या के आरोप यानी धारा 306 से बरी कर दिया था। पिता के बयान हुआ। बच्चों ने बताया कि उनके पिता डॉ। संजय प्रकाश के क्लीनिक में काम करने वाली एक नर्स के साथ अवैध संबंध थे। मां ने इसका विरोध किया, तो पिता ने उन्हें पहले चाबी फेंककर मारा, इसके बाद बेरहमी से पिटाई की। यह भी खुलासा किया कि मां को पानी में घोलकर भारी मात्रा में नींद की गोलियां दे दी जिससे उनकी हालत बेहद गंभीर हो गई थी। घटना के ठीक एक दिन पहले भी मां के साथ मारपीट करते हुए धमकी दी थी, कि वह मां को तलाक देकर नर्स से शादी करेगा। ट्रायल कोर्ट ने गवाहों के बयानों और सबूतों को टुकड़ों में बांटकर गलती की, जबकि सभी सबूत सामूहिक रूप से साबित करते हैं कि पति के कृत्यों ने ही पत्नी को आत्महत्या के लिए मजबूर किया। सुप्रीम कोर्ट के कई फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि यदि कोई व्यक्ति लगातार ऐसा माहौल बना दे कि पत्नी के पास आत्मघाती कदम उठाने के अलावा कोई रास्ता न बचे, तो वह धारा 306 यानी आत्महत्या के लिए उकसाने के दायरे में आता है। हाई कोर्ट ने सबूतों के आधार पर डॉक्टर को पत्नी को खुदकुशी के लिए उकसाने का दोषी माना है।

रायगढ़ पुलिस का साइबर जागृति अभियान जारी

रायगढ़। साइबर अपराधों पर रोक लगाने और आम नागरिकों को सुरक्षित डिजिटल व्यवहार के प्रति जागरूक करने के लिए छत्तीसगढ़ पुलिस का प्रदेशव्यापी फ्रसाइबर जागृति अभियानफ्र जारी है। इसी कड़ी में रायगढ़ जिले की भूपदेवपुर पुलिस ने मुख्य मार्ग पर लोगों को एकत्रित कर साइबर ठगी के नए तरीकों और उनसे बचने के उपायों की जानकारी दी। छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा 15 अगस्त से 2 अक्टूबर 2026 तक प्रदेशभर में साइबर जागृति अभियान चलाया जा रहा है। रायगढ़ जिले में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के मार्गदर्शन में सभी थाना क्षेत्रों में लगातार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में भूपदेवपुर पुलिस स्कूलों, स्थानीय प्लांट और ग्राम स्तर पर कार्यक्रम आयोजित करने के बाद अब मुख्य मार्गों पर लोगों के समूहों को साइबर अपराधों के प्रति सतर्क कर रही है।पुलिसकर्मियों ने नागरिकों को बताया कि साइबर अपराधी लगातार ठगी के नए–नए तरीके अपना रहे हैं।अनजान व्यक्ति की ओर से भेजे गए संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करेंअनजान एप डाउनलोड करने से बचें। बिना पूरी जानकारी के त्क्रकोड स्कैन नहीं करने की भी सलाह दी गई।इसके बाद किसी अपराध में फंसाने या गिरफ्तारी का डर दिखाकर पैसे की मांग करते हैं। ऐसी स्थिति में घबराने के बजाय कॉल तत्काल बंद कर पुलिस या संबंधित आधिकारिक माध्यम से जानकारी की पुष्टि करनी चाहिए। किसी वास्तविक सरकारी डिजिटल अरेस्ट कर पैसे जमा कराने की प्रक्रिया नहीं होती।

सेवा संकल्प अभियान: जल संरक्षण से जल सुरक्षा की ओर बढ़ता ग्राम मुल्ले

विकसित भारत जीरामजी योजना से जल स्रोतों में सेंड फिल्टर निर्माण, भूजल पुनर्भरण और ग्रामीण रोजगार को मिला संबल

एक सत बुलेटिन ➤ धमतरी,

सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत। ÷जल है तो जीवन है÷ यह केवल एक संदेश नहीं, बल्कि ग्रामीण जीवन की वह सच्चाई है, जिसके साथ गांव की अर्थव्यवस्था, कृषि और रोजमर्रा की आवश्यकताएं जुड़ी हुई हैं। वर्षा आधारित ग्रामीण क्षेत्रों में जल की प्रत्येक बूंद को सहेजना भविष्य की जल सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इसी सोच को धरातल पर उतारते हुए धमतरी जिले के कुरुद विकासखंड की ग्राम पंचायत मुल्ले में विकसित भारत जीरामजी योजना के अंतर्गत जल स्रोतों में सेंड फिल्टर निर्माण का कार्य कराया गया है। यह पहल जल संरक्षण के साथ-साथ वर्षा एवं सतही जल के बेहतर प्रबंधन, भूजल पुनर्भरण और स्थानीय ग्रामीणों को रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में एक उपयोगी प्रयास बनकर सामने आई है।

बहते पानी को सहेजने की पहल

ग्राम मुल्ले में वर्षा के दौरान बहकर निकल जाने वाले पानी को जल स्रोतों तक पहुंचाने और उसके माध्यम से भूजल पुनर्भरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सेंड फिल्टर का निर्माण किया गया। सेंड फिल्टर में रेत सहित प्राकृतिक छनन माध्यमों का उपयोग जल के साथ आने वाली मिट्टी, गाद एवं अन्य ठोस अशुद्धियों को रोकने में सहायक होता है। इससे जल को अपेक्षाकृत स्वच्छ रूप में जमीन में समाने का अवसर मिलता है और जल स्रोतों के पुनर्भरण की प्रक्रिया को बढ़ावा देने में मदद मिलती है।

ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसी छोटी लेकिन उपयोगी जल संरचनाएं स्थानीय स्तर पर जल संरक्षण की मजबूत नींव तैयार करती हैं। इसका उद्देश्य केवल वर्तमान जरूरतों को पूरा करना नहीं, बल्कि वर्षा जल को गांव के लिए भविष्य की जल संपदा में बदलना भी है।

52 हजार रुपए की लागत से पूरा हुआ कार्य

ग्राम पंचायत मुल्ले में सेंड फिल्टर निर्माण के लिए 0.52 लाख रुपए, अर्थात 52 हजार रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई थी। स्वीकृत राशि में 0.11 लाख रुपए मजदूरी तथा 0.41 लाख रुपए सामग्री के लिए निर्धारित किए गए थे। कार्य पूर्ण होने के पश्चात कुल 0.52 लाख रुपए व्यय हुए, जिसमें 0.105 लाख रुपए मजदूरी के रूप में व्यय किए गए।इस प्रकार सीमित संसाधनों के प्रभावी उपयोग से गांव में ऐसी संरचना तैयार की गई, जो जल संरक्षण और स्थानीय रोजगार–दोनों उद्देश्यों को एक साथ आगे बढ़ाती है।

पत्नी को आत्महत्या के लिए उकसाने का डॉक्टर पति दोषी, हाईकोर्ट का फैसला

एक सत बुलेटिन ➤ बिलासपुर

हाईकोर्ट ने डॉक्टर पति को पत्नी को आत्महत्या के लिए उकसाने का दोषी करार दिया है। कोर्ट ने कहा कि आरोपी पति के अवैध संबंधों और लगातार दी जा रही शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना के कारण पत्नी के पास मौत के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं बचा था। मामले में अब सजा तय करने के लिए आरोपी और उसके अधिवक्ता को 26 अक्टूबर को तलब किया गया है। मामले की सुनवाई जस्टिस नरेंद्र कुमार व्यास की सिंगल बेंच में हुई। बता दें, कि बिलासपुर की निचली अदालत ने आईपीसी की धारा 498-ए के तहत 3 साल की सजा दी थी, जबकि उकसाने के आरोप से बरी कर दिया था। जिसे मृतका के भाई ने हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। डॉक्टर ने भी सजा के खिलाफ अपील की थी। मृतका के भाई आशीष नाथ ने सिविल लाइन थाने में शिकायत करते हुए आरोप लगाया, कि पति डॉ। संजय प्रकाश के हिंसा और उकसाने से उनकी बहन ने खुदकुशी की। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, बिलासपुर की अदालत ने 28 जून 2016 को दिए गए फैसले में आरोपी डॉक्टर को धारा 498-ए (पति या रिश्तेदार द्वारा क्रूरता) के तहत 3 साल की सजा और 10 हजार रुपए जुर्माने की सजा दी थी। लेकिन आत्महत्या के आरोप यानी धारा 306 से बरी कर दिया था। बच्चों ने बताया कि उनके पिता डॉ। संजय प्रकाश के क्लीनिक में काम करने वाली एक नर्स के साथ अवैध संबंध थे। मां ने इसका विरोध किया, तो पिता ने उन्हें पहले चाबी फेंककर मारा, इसके बाद बेरहमी से पिटाई की। यह भी खुलासा किया कि मां को पानी में घोलकर भारी मात्रा में नींद की गोलियां दे दी जिससे उनकी हालत बेहद गंभीर हो गई थी। घटना के ठीक एक दिन पहले भी मां के साथ मारपीट करते हुए धमकी दी थी, कि वह मां को तलाक देकर नर्स से शादी करेगा। कि ट्रायल कोर्ट ने गवाहों के बयानों और सबूतों को टुकड़ों में बांटकर गलती की, जबकि सभी सबूत सामूहिक रूप से साबित करते हैं कि पति के कृत्यों ने ही पत्नी को आत्महत्या के लिए मजबूर किया। सुप्रीम कोर्ट के कई फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि यदि कोई व्यक्ति लगातार ऐसा माहौल बना दे कि पत्नी के पास आत्मघाती कदम उठाने के अलावा कोई रास्ता न बचे, तो वह धारा 306 यानी आत्महत्या के लिए उकसाने के दायरे में आता है। हाई कोर्ट ने सबूतों के आधार पर डॉक्टर को पत्नी को खुदकुशी के लिए उकसाने का दोषी माना है।

महानदी का रौद्र रूप, शबरी पुल के ऊपर 6 फीट पानी; शिवरीनारायण का संपक

एक सत बुलेटिन ➤ जांजगीर-चाम्पा

प्रदेश में बीते तीन दिनों तक हुई लगातार बारिश से तमाम नदियां उफान पर है. नगर के शवरी पुल पर 6 फ़ीट ऊपर पानी बह रहा है, जिसकी वजह से जांजगीर का शिवरीनारायण का सम्पर्क टूट गया है. महानदी के तट तोड़कर बहने से नगर के बिलासपुर रोड और केरा रोड में पानी भर गया है. आलम यह है निचली बस्तियों में पानी भरने के बाद लोगों को सुरक्षित स्थानों पर रखा गया है. वार्ड एक में पानी भरने की वजह से वार्ड के लोगों को संस्कृतिक भवन में रखा गया है. मेला ग्राउंड में भी पानी गया है. पानी के भराव की वजह से लोग नाव में सवार होकर आना-जाना कर रहे है. स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन ने फंसे हुए लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए एसडीआरएफ की टीम तैनात किया है. इसके साथ बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के लोगों के लिए खाने-पीने और रहने के लिए अलग-अलग स्थानों में इंतजाम किया है.

बारिश से लगभग 200 परिवार फंसे, रेस्क्यू कर 16 अस्थायी राहत शिविरों में

एक सत बुलेटिन ➤ दुर्ग

दुर्ग जिले में पिछले 24 एवं 25 सितंबर को लगातार बारिश होने से नदी नाले उफान पर चल रहे है। अनवरत बारिश होने से नगर निगम दुर्ग, भिलाई सहित ग्रामीण क्षेत्रों के 13 ग्रामीण इलाके के 200 घरों में पानी भर जाने के कारण 764 व्यक्तियों को एसडीआरएफ तथा स्थानीय पार्षद एवं अन्य व्यक्तियों तथा प्रशासन की मदद से रेस्क्यू कर सुरक्षित बाहर निकाला गया है। नजदीकी सामुदायिक केंद्र, पंचायत भवन, शालाओं को अस्थाई राहत कैम्प बनाकर सभी प्रभावितों को शिफ्ट किया गया है। दुर्ग जिले में अभी तक कुल 16 राहत कैम्प बनाया जाकर प्रभावितों को भोजन पानी सहित अन्य मूलभूत सुविधाएं दी जा रही है।

प्रभावित क्षेत्र में दुर्ग तहसील अंतर्गत निगम क्षेत्र पुलगांव वार्ड नंबर 55 में 13 घरों के 48 प्रभावित व्यक्तियों को नगर निगम की टीम द्वारा रेस्क्यू कर सुरक्षित बाहर निकाला गया तथा सामुदायिक भवन पुलगांव में शिफ्ट किया गया है। भिलाई निगम क्षेत्र के वार्ड नंबर 41 में 05 घरों में जलभराव होने पर 30 व्यक्तियों को रेस्क्यू कर अस्थायी राहत एसएलआरएम सेंटर में ठहराया गया है। दुर्ग जिले के ग्रामीण अंचल के ग्राम डांडेसरा के 02 घरों के 03 प्रभावितों को ग्राम पंचायत भवन में, ग्राम मालूद के 02 घरों के 07 प्रभावितों को मितानिन भवन में, तथा ग्राम भरदा के ईंट भट्ठा क्षेत्र में अत्यधिक जलभराव होने की सूचना पर 35 मकानों के 210 लोगों को सुरक्षित निकालकर प्राथमिक शाला भवन में रुकवाया गया है। सभी के भोजन पानी एवं रुकने की व्यवस्था इन अस्थाई शिविरों में की गई है।द्यह्य‘ ऋद्धइस्र - पत्नी को आत्महत्या के लिए उकसाने का डॉक्टर पति दोषी, हाईकोर्ट का फैसला इसी प्रकार से पाटन तहसील के 07 ग्रामों के 117 परिवारों के 345 व्यक्तियों को 05 राहत कैम्प में ठहराया गया है। जिसमें नगर पालिका क्षेत्र अमलेश्वर से लगा हुआ बोथली में 03 घरों के 12 व्यक्तियों का एसडीआरएफ द्वारा रेस्क्यू कर पंचायत भवन में शिफ्ट किया गया है। ग्राम पाहंदा के 04 घरों के 40 व्यक्तियों को सुरक्षित निकालकर उनकी इच्छानुसार उनके रिश्तेदारों के यहां सुरक्षित पहुंचाया गया। पाटन क्षेत्र के ही ग्राम खुड़मुड़ा में 01 परिवार के 02 महिलाओं को एसडीआरएफ द्वारा बोट के माध्यम से रेस्क्यू कर सुरक्षित बाहर निकालकर अमलेश्वर के उसके दूसरे निजी मकान में उनकी इच्छानुसार पंहुचवाया गया। ग्राम जामराव के 35 घरों के 147 व्यक्तियों को सुरक्षित निकालकर 52 व्यक्तियों को पंचायत भवन में तथा शेष को उनके कहे अनुसार उनके रिश्तेदारों के घर पंहुचवाया गया। ग्राम केसरा के 70 घरों के 135 लोगो को राहत कैम्प पंचायत भवन, शाला भवन तथा सामुदायिक भवन में सुरक्षित ठहराया गया है। ग्राम रिवागहन के 02 घरों के 05 लोगों को रेस्क्यू कर उनके रिश्तेदारों के यहां तथा ग्राम किकिरमेता के 01 घर के 04 लोगों को भी उनके परिचित के घर सुरक्षित ठहराया गया है।द्यह्य‘ ऋद्धइस्र - रायपुर के श्व्ष्ठह्व क्लब पार्टी के बीच मारपीट, 4 युवक हिरासत में तहसील अहिवारा के अकोला ग्राम पुरानी बस्ती के प्रभावित 10 घरों के 46 लोगों को सुरक्षित निकालकर सामुदायिक केंद्र अकोला राहत कैम्प में ठहराया गया है। तहसील बोरी के दनिया ग्राम जो शिवनाथ नदी तट पर स्थित है के जल संसाधन विभाग के पावर लिफ्टिंग पंप में 02 व्यक्ति पति पत्नी जलभराव में फंस जाने से उन्हें एसडीआरएफ द्वारा रेस्क्यू कर पंचायत भवन में ठहराया गया है। इसी प्रकार दुर्ग जिले के ही भिलाई तीन तहसील अंतर्गत कुम्हारी नगर पालिका क्षेत्र के परसदा में 14 घर जलमग्न हो जाने से 73 लोगों को बोट के माध्यम से सुरक्षित निकालकर राहत कैम्प ब्रह्मलोक आश्रम, आदिवासी भवन, कर्मा भवन, राजीव भवन में ठहराया गया है।द्यह्य‘ ऋद्धइस्र - गणेश विसर्जन की झांकी पर लाठीचार्ज, लोगों ने किया ह्ल-130 पर चक्काजाम बीते 48 घंटे हुई बारिश से पूरा क्षेत्र लबालब हो गया। जिले के कलेक्टर अभिजीत सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल सहित पूरी प्रशासनिक टीम, एसडीआरएफ टीम पूरी मुस्तैदी से दिन और पूरे रात भर क्षेत्र में नज़र बनाए हुए थे तथा बाढ़ से और अत्यधिक बारिश से जन हानि न हो, इसके लिए लगातार पूरे क्षेत्र में निगरानी कर मैदानी अमले को सतत् निर्देश दे रहे थे। शनिवार 26 सितम्बर को सुबह से ही जिले के कलेक्टर अभिजीत सिंहदौरा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

विश्व पर्यटन दिवस पर कर्मघोंघेश्वर धाम में स्वच्छता श्रमदान, जनप्रतिनिधियों व ग्रामीणों ने दिया स्वच्छता का संदेश

महेंद्र शुक्ला ➤ एमसीबी

विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर 27 सितंबर 2026 को ग्राम पंचायत साल्ही स्थित प्रसिद्ध पर्यटन स्थल श्री कर्मघोंघेश्वर धाम में स्वच्छता श्रमदान अभियान चलाया गया। अभियान में जनप्रतिनिधियों, पंचायत कर्मियों, स्वच्छता ग्राही, स्वयं सहायता समूह की महिलाओं एवं ग्रामीणों ने सहभागिता करते हुए धाम परिसर की साफ-सफाई की।

कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष मनेन्द्रगढ़ जानकी बाई कुसरो, जनपद पंचायत मनेन्द्रगढ़ की मुख्य कार्यपालन अधिकारी वैशाली सिंह, राजेंद्र जैन, प्रभा पियासी, साल्ही सरपंच केवल सिंह मरकाम, भलौर सरपंच धर्मपाल सिंह टेकाम, डोमनापारा सरपंच मानमती सहित पंचायत प्रतिनिधि एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

इस दौरान साल्ही सचिव दिलीप कुमार राय, रोजगार सहायक रवि कुमार, मेट प्रेम सिंह नेटी, प्रकाश शर्मा, ग्राम घोषक सुरेश लाल दिवान, पंडित गणेश प्रसाद मिश्रा, ग्राम पटेल राधे सिंह सोटिया, सेल्समैन रामकुमार सिंह, पूर्व सरपंच भवन सिंह सहित स्वच्छता ग्राही पूजा, गीता, सीता एवं मानकुमारी, स्वयं सहायता समूह की सदस्य ऋतु सिंह, रामबाई व आरती मिश्रा समेत अन्य लोगों ने श्रमदान किया। कार्यक्रम में कर्मघोंघेश्वर धाम के बाबा जी शंकर सिंह आयम सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन मौजूद रहे। विश्व पर्यटन दिवस पर आयोजित इस अभियान के माध्यम से पर्यटन स्थलों को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने तथा पर्यटकों और स्थानीय लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया गया।

शासकीय हाईस्कूल बरेकेलकला में शिक्षा के साथ विद्यार्थियों का किया जा रहा सर्वांगीण

शासकीय हाईस्कूल बरेकेलकला में शिक्षा के साथ विद्यार्थियों का किया जा रहा सर्वांगीण

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर,

सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत राज्य सरकार और विभागीय व्यवस्था से जिले में शिक्षा का स्तर अच्छा है। इसी कड़ी में जिला मुख्यालय महासमुंद से दूरस्थ क्षेत्र में स्थित ग्राम बरेकेलकला में शासकीय हाईस्कूल संचालित है। यह विद्यालय बस्ती से काफी दूर होने के बावजूद आज शिक्षा, परीक्षा परिणाम, पर्यावरण संरक्षण, जनसहयोग एवं विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति के क्षेत्र में अपनी एक अलग पहचान बना चुका है। यहां शिक्षकों की पर्याप्त व्यवस्था होने से शिक्षण कार्य में निरंतर सुधार आया और विद्यार्थियों के परीक्षा परिणाम वर्ष 2016 से 2023-34 तक 100 प्रतिशत रहा है। यह परिणाम विद्यालय के विद्यार्थियों के निरंतर मेहनत एवं शिक्षकों के मार्गदर्शन से संभव हुआ है। अब विद्यालय के लिए नवीन भवन की स्वीकृति भी प्राप्त हुई, जिससे विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध हुआ।बरेकेलकला के हाईस्कूल में उपलब्ध संसाधनों का विद्यार्थियों के हित में बेहतर उपयोग किया जा रहा है। विद्यालय परिसर में पुस्तकालय कक्ष, प्रयोगशाला कक्ष एवं सभाकक्ष जैसी सुविधाएँ उपलब्ध हैं, जिनका विद्यार्थी नियमित रूप से उपयोग कर रहे हैं। विद्यालय के विकास की सबसे उल्लेखनीय उपलब्धियों में से एक है। वर्ष 2019 से विद्यालय परिसर में गार्डन एवं वृक्षारोपण का कार्य प्रारंभ किया गया। इस कार्य में शाला विकास समिति, ग्राम पंचायत, शिक्षकों, विद्यार्थियों तथा जनसमुदाय का महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ।विद्यालय में पर्यावरण संरक्षण की भावना विकसित करने के उद्देश्य से %प्रत्येक बच्चे के नाम पर एक पेड़% लगाने की पहल की गई। इसके परिणामस्वरूप आज विद्यालय परिसर में हजारों पौधे लहलहा रहे हैं। विद्यालय परिसर में जामुन, आम, नारियल एवं विभिन्न औषधीय पौधों का रोपण किया गया है। साथ ही किचन गार्डन विकसित कर उसमें हल्दी, अरबी सहित विभिन्न उपयोगी पौधों का रोपण किया गया है। जनसहयोग एवं सामुदायिक सहभागिता से विद्यालय के सौंदर्यीकरण का कार्य भी निरंतर किया गया। आज यह विद्यालय दूरस्थ क्षेत्र में स्थित होने के बावजूद एक सुंदर, स्वच्छ एवं हरित विद्यालय के रूप में अपनी पहचान बना चुका है।

दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्र में स्थित होने के बावजूद लगातार उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता एवं शिक्षकों की मेहनत को दर्शाता है। विद्यालय में बालिकाओं की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने में साइकिल वितरण योजना का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है। साइकिल मिलने से दूरदराज से विद्यालय आने वाली बालिकाओं को आवागमन में सुविधा मिली और उनकी उपस्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ। समय समय पर जनप्रतिनिधियों के करकमलों से विद्यार्थियों को साइकिल वितरण किया गया, जिससे विद्यार्थियों में उत्साह एवं विद्यालय के प्रति जुड़ाव बढ़ा।विद्यालय के विकास में शिक्षा विभाग के अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, शाला प्रबंधन समिति, ग्राम पंचायत तथा समुदाय का निरंतर सहयोग प्राप्त होता रहा है। समय- समय पर बीआरसीसी, विकासखंड शिक्षा अधिकारी, डीएमसी एवं जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा विद्यालय का निरीक्षण एवं मार्गदर्शन किया जाता है। विभागीय सहयोग एवं मार्गदर्शन से विद्यालय की शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों को निरंतर गति मिली है। विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा द्वारा विद्यार्थियों को अपने करकमलों से साइकिल वितरण किया गया। इसी प्रकार मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत महासमुंद अनुपमा आनंद द्वारा विद्यालय परिसर में नारियल के पौधरोपण एवं किचन गार्डन के विकास में स्वयं सहभागिता की गई।विद्यालय में शासन के निर्देशानुसार विभिन्न शैक्षणिक, सांस्कृतिक, खेलकूद, पर्यावरणीय एवं जागरूकता संबंधी गतिविधियों का नियमित एवं विस्तृत आयोजन किया जाता है। इन गतिविधियों में विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जाती है। इन सभी प्रयासों में शाला प्रबंधन समिति की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। समिति के सदस्यों एवं ग्रामीण समुदाय के सहयोग से विद्यालय को निरंतर बेहतर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। शासकीय हाईस्कूल बरेकेलकला की यह यात्रा इस बात का उदाहरण है कि दूरस्थ क्षेत्र, सीमित संसाधन और ग्रामीण परिवेश भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं सामुदायिक सहभागिता के मार्ग में बाधा नहीं बनते, यदि शिक्षक, विद्यार्थी, पालक, शाला प्रबंधन समिति, ग्राम पंचायत, जनप्रतिनिधि एवं शिक्षा विभाग मिलकर प्रयास करें। आज हजारों पौधों से हरा-भरा विद्यालय परिसर, बेहतर शैक्षणिक वातावरण, निरंतर उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम, बालिकाओं की नियमित उपस्थिति तथा व्यापक जनसहयोग इस विद्यालय की सफलता की पहचान बन चुके हैं। आज शिक्षा के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण, जनभागीदारी और सामुदायिक सहयोग का एक प्रेरणादायी उदाहरण बनकर उभर रहा है।

चेस ओलिंपियाड-भारत ने जर्मनी को 2.5-1.5 से हराया

एजेंसी > नई दिल्ली

जर्मनी के खिलाफ मुकाबले के दौरान अपने साथियों के खेल पर नजर रखते डी. गुकेश। उनकी जीत तय होने के बाद भारतीय खिलाड़ियों ने अपनी बाजियां ड्रॉ कर दीं। जर्मनी के खिलाफ मुकाबले के दौरान अपने साथियों के खेल पर नजर रखते डी. गुकेश। उनकी जीत तय होने के बाद भारतीय खिलाड़ियों ने अपनी बाजियां ड्रॉ कर दीं।46वें स्त्रढ्ढष्ठश्व चेस ओलिंपियाड के 9वें राउंड में भारतीय मेंस टीम ने जर्मनी को 2.5-1.5 से हराया। भारत के लिए डी. गुकेश ने अलेक्जेंडर डोनचेंको को हराकर महत्वपूर्ण जीत दिलाई।इस रिजल्ट के बाद भारत 15 मैच-पॉइंट्स के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गया। मेजबान उज्बेकिस्तान 16 पॉइंट्स के साथ पहले स्थान पर है।

गुकेश ने मुश्किल स्थिति से जीत दिलाई

जर्मनी के खिलाफ मुकाबले में एक समय भारतीय टीम मुश्किल स्थिति में थी। निहाल सरीन की बाजी ड्रॉ हो चुकी थी, जबकि आर. प्रज्ञानानंद और अर्जुन एरिगैसी की बाजियां भी बराबरी पर थीं। गुकेश की स्थिति खराब थी।इसके बावजूद गुकेश ने खेल जारी रखा और डोनचेंको की गलती का फायदा उठाया। उन्होंने शानदार चाल चलते हुए बाजी की दिशा पलट दी और कुछ ही चालों में जीत दर्ज कर ली। इस जीत के साथ भारत ने मैच 2.5-1.5 से अपने नाम किया।

उज्बेकिस्तान ने अमेरिका को हराया

मेजबान उज्बेकिस्तान ने 9वें राउंड में अमेरिका को हराया। नोदिरबेक याकुबोव ने हंस नीमन के खिलाफ जीत दर्ज की। उज्बेकिस्तान 16 मैच-पॉइंट्स के साथ टॉप पर है। भारत के अलावा उज्बेकिस्तान की दूसरी टीम और आर्मेनिया के भी 15-15 पॉइंट्स हैं।विमेंस टीम ने उज्बेकिस्तान को 3-1 से हरायाभारतीय विमेंस टीम ने 9वें राउंड में उज्बेकिस्तान को 3-1 से हराया। इस जीत के बाद भारत के 15 मैच-पॉइंट्स हो गए। चीन 17 पॉइंट्स के साथ पहले स्थान पर है।दिव्या देशमुख और वंतिका अग्रवाल ने भारत के लिए जीत दर्ज की। बी. सविता श्री की लगातार 7 जीत का सिलसिला ड्रॉ के साथ रुक गया। उन्होंने गुइल्डोना करीमोवा के खिलाफ बाजी बराबर की। कोनेरू हंपी की बाजी भी ड्रॉ रही।

मुरली मेंस लॉन्ग जम्प के फाइनल में

लॉन्ग जम्पर मुरली श्रीशंकर और डेविड सोलोमन ने एथलेटिक्स के मेंस लॉन्ग जम्प इवेंट के फाइनल के लिए क्वालिफाई किया। वहीं, पीवी सिंधु बैडमिंटन के विमेंस सिंगल्स का क्वार्टर फाइनल हार गई हैं। उन्हें चीन की चेन यूफेई ने 11-21, 21-18, 21-10 से हराया।

वर्ल्ड रेसलिंग एंटरटेनमेंट में तीन रेसलर्स पर हमला

एजेंसी > नई दिल्ली

मंडे नाइट रॉ के हालिया एपिसोड में द उसोज, जिमी उसो और सोलो सिकोआ पर जानलेवा हमला किया गया। इसके बाद उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया। शो के कमेंटेटर जो टेसिटोर ने इसकी जानकारी दी।हमले के वीडियो में इतना खून-खराबा था कि टीवी स्क्रीन पर विजुअल्स को ब्लर किया गया। फुटेज को फ्रीज करके सेंसर भी करना पड़ा।रॉयस कीज और ह्लश्ररू ने रॉ की शुरुआत में द उसोज, जिमी उसो पर हमला कर दिया।हमलावरों ने जिमी को कार के ऊपर पटक दिया। इसके बाद जे उसो को भी बुरी तरह पीटा गया। सोलो सिकोआ को बैकस्टेज निशाना बनाया गया। इसके बाद वह घायल हालत में पड़े मिले। इस हमले के लिए रोमन रेंस का नाम सामने आया, लेकिन रेंस ने इसमें अपना हाथ होने से इनकार किया। रेंस ने एलए नाइट का नाम भी इस मामले में नहीं जोड़ने की बात कही।जो टेसिटोर ने बताया कि रॉ में हुई घटना के बाद कई स्टार्स को अस्पताल ले जाया गया। उन्होंने कहा कि सोलो सिकोआ, जे उसो और जिमी उसो को स्थानीय मेडिकल सेंटर पहुंचाया गया है।

क्योंकि वह टूर्नामेंट के सबसे सफल खिलाड़ियों में शामिल हैं

पहले दौर में अर्जेंटीना के मारियानो नावोन ने

एजेंसी > नई दिल्ली

यूएस ओपन 2026 में सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच का सफर पहले ही राउंड में समाप्त हो गया. 31 अगस्त (सोमवार) को न्यूयॉर्क के आर्थर ऐश स्टेडियम में आयोजित मेन्स सिंगल्स मुकाबले में जोकोविच को अर्जेंटीना के मारियानो नावोन ने 7-6, 5-7, 4-6, 6-2, 6-1 से हरा दिया। 4 घंटे 40 मिनट तक चले इस मुकाबले में जोकोविच ने दो सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करते हुए लगातार दूसरे और तीसरे सेट पर कब्जा जमाया, लेकिन मैच लंबा खिंचने के साथ उनकी शारीरिक परेशानी बढ़ती चली गई। निर्णायक सेट में 25 वर्षीय नावोन ने पूरी

तरह नियंत्रण हासिल कर लिया और ऐतिहासिक जीत अपने नाम कर ली। मारियानो नावोन की वर्ल्ड रैकिंग 49 हैं, जबकि नोवाक जोकोविक पांचवें नंबर पर हैं। जोकोविच पूरे मुकाबले में अपनी फिटनेस से जूझते रहे। एक समय उनकी हालत इतनी खराब हो गई कि उन्हें कोर्ट के किनारे जाकर उल्टी करनी पड़ी। इसके बावजूद उन्होंने खुद को संभाला और तीसरे सेट में 6-4 से जीत हासिल कर मैच को अपने पक्ष में मोड़ने की कोशिश की। लेकिन चौथे सेट में उनकी ऊर्जा और सर्विस दोनों प्रभावित हुईं।ऐसे में मारियानो नावोन ने लगातार दबाव बनाते हुए चौथा सेट 6-2 से जीत लिया। पांचवें सेट में नोवाक जोकोविच की स्थिति और बिगड़ गई। वह अपना पहला गेम जीतने में सफल रहे, लेकिन इसके बाद जबरदस्त संघर्ष करते नजर आए। उस गेम के बाद दर्शकों ने उनका नाम लेकर हौसला बढ़ाया तो जोकोविच भावुक होकर आंसू पोंछते दिखाई दिए। इस हार के साथ नोवाक जोकोविच का एक बेहद लंबा ग्रैंड स्लैम रिकॉर्ड भी टूट गया। वह 2006 के ऑस्ट्रेलियन ओपन के बाद से किसी भी मेजर टूर्नामेंट के पहले दौर में नहीं हारे थे। यूएस ओपन में उनकी यह हार इसलिए भी बड़ी मानी जा रही है क्योंकि वह टूर्नामेंट के सबसे सफल खिलाड़ियों में शामिल हैं। हालांकि इस मुकाबले में उनका प्रदर्शन उनके स्तर के मुताबिक नहीं रहा।

व्यापार

भारत ने वर्ष 2030 तक 50,000 करोड़ रुपए के रक्षा निर्यात का लक्ष्य रखा

वर्ष 2030 तक 50,000 करोड़ रुपए के रक्षा निर्यात का लक्ष्य रखा है।

एजेंसी > नई दिल्ली

भारत ने रक्षा निर्यात के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान बना दिया है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में रक्षा निर्यात में नया ऐतिहासिक रिकॉर्ड बना है। इस दौरान देश का कुल रक्षा निर्यात बढ़कर 38,424 करोड़ रुपए तक पहुंचा, जो पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले 62.66 प्रतिशत की मजबूत बढ़ोतरी दिखाता है। गौरतलब है कि भारत ने वर्ष 2030 तक 50,000 करोड़ रुपए के रक्षा निर्यात का लक्ष्य रखा है। इसके साथ ही 3 लाख करोड़ रुपए का रक्षा उत्पादन भी स्वदेश में होगा। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि रक्षा निर्यात में 14,802 करोड़ रुपए की बड़ी बढ़ोतरी हुई है। यह बढ़ोतरी इसका संकेत है कि दुनिया भारत की

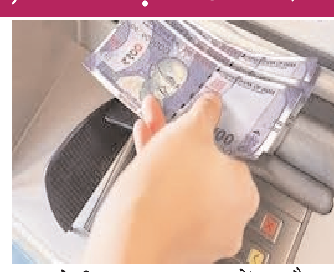

स्वदेशी रक्षा क्षमताओं और उन्नत मैन्युफैक्चरिंग पर भरोसा कर रही है। उन्होंने बताया कि इस उपलब्धि में रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम और निजी उद्योग दोनों की अहम भूमिका रही है। कुल निर्यात में भारतीय सार्वजनिक उपक्रमों का योगदान 54.84 प्रतिशत रहा, जबकि निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी 45.16 प्रतिशत रही है। रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरणादायक नेतृत्व में भारत रक्षा निर्यात के क्षेत्र में एक नई सफलता की कहानी लिखी है।

रक्षा मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2025-26 में एक और उपलब्धि हासिल की है। दरअसल मंत्रालय ने अपने पूंजीगत बजट का पूर्ण उपयोग किया है। यह बजट राशि 1.86 लाख करोड़ रुपए थी। इस बड़े पूंजीगत व्यय का 100 प्रतिशत उपयोग किया। यह लगातार दूसरा साल है जब रक्षा मंत्रालय ने अपना पूरा कैपिटल बजट इस्तेमाल किया है। इससे पहले भी वित्त वर्ष 2024-25 में कई वर्षों बाद पहली बार पूंजीगत बजट का पूरा उपयोग किया गया था।

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, शुरुआत में पूंजीगत व्यय के लिए 1.80 लाख करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया था, लेकिन पहली दो तिमाहियों के खर्च और ऑपरेशन सिंदूर के

एमजी कामेट ईवी सबसे सस्ती इलेक्ट्रिक कारों में

एजेंसी > नई दिल्ली

अमेरिका -इजराइल-ईरान के मध्य जारी लडाई का असर अब भारत में भी होने लगा है। देश में कहीं गैस आपूर्ति प्रभावित हो रही है तो कहीं पेट्रोल-डीजल की किल्लत सामने आ रही है। ऐसे माहौल में कालाबाजारी भी चांदी काटने में लगे है। ऐसे हालात में इलेक्ट्रिक वाहन किफायती विकल्प के रूप में तेजी से उभर रहे हैं। खासतौर पर एमजी कामेट ईवी देश की सबसे सस्ती इलेक्ट्रिक कारों में शामिल है, जिसकी शुरुआती कीमत करीब 7.49 लाख रुपए है। इसकी रनिंग कॉस्ट इसे और आकर्षक बनाती है। एमजी कामेट ईवी को फुल चार्ज करने में लगभग 18 यूनिट बिजली लगती है।

यदि प्रति यूनिट कीमत 8 रुपए मानी जाए, तो कुल खर्च 144 रुपए आता है। कंपनी के अनुसार इसकी रेंज 230 किमी है, जबकि वास्तविक रेंज करीब 200 किमी मानी जाती है। इस

हिसाब से प्रति किलोमीटर लागत करीब 72 पैसे पड़ती है। वहीं पेट्रोल कार में औसतन 15 किमी प्रति लीटर माइलेज के आधार पर प्रति किलोमीटर खर्च करीब 6.60 रुपए आता है। यानी हर किलोमीटर पर लगभग 5.88 रुपए की बचत संभव है।

अगर कोई व्यक्ति महीने में 2000 किमी और साल में 24,000 किमी ड्राइव करता है, तो वह हर महीने करीब 11,760 रुपए और सालाना लगभग 1.41 लाख रुपए तक बचा सकता है। पांच साल में यह बचत 7 लाख रुपए के आसपास पहुंच सकती है, जिससे कार की लागत भी वसूल हो जाती है। फीचर्स की बात करें तो इसमें 10.25 इंच की ड्यूल स्क्रीन, स्मार्ट कनेक्टिविटी, नेविगेशन और रियल-टाइम अपडेट जैसी सुविधाएं मिलती हैं।

- शादी-विवाह के मौसम की बढ़ती मांग, डॉलर के मुकाबले रुपए की कमजोरी से कीमतें बढ़ीं

बीते सप्ताह खाद्य तेल-तिलहन के दाम में मजबूती, सरसों तेल सोयाबीन से सस्ता

एजेंसी > नई दिल्ली

देश के तेल-तिलहन बाजार में बीते सप्ताह अधिकांश तेल-तिलहन के दाम मजबूती के साथ बंद हुए। शादी-विवाह के मौसम की बढ़ती मांग, डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी और विदेशों में तेल की ऊंची कीमतों ने इस तेजी में योगदान किया। हरियाणा में पहली बार सरसों तेल का दाम सोयाबीन तेल से कम रहा (सरसों 148.25 प्र?ति ?किलो, सोयाबीन 165 रुपए प्र?ति ?किलो) बिना प्रसंस्करण वाला सरसों तेल सस्ता होने की वजह से इसकी मांग बढ़ी। आवक घटकर 6.75 लाख बोरी रह गई, जिससे दाम मजबूत बने। मूंगफली तेल की कीमत ऊंची होने के कारण स्थिर रही, जबकि बिनौला तेल लगभग 27 रुपए प्र?ति ?किलो सस्ता होने से उपभोक्ताओं का रुझान बढ़ा। कपास नरमा की आवक 42,000 गांठ रह जाने से भी बिनौला तेल के दाम में सुधार हुआ। सोयाबीन डीगम तेल के अंतरराष्ट्रीय दाम बढ़कर 1,360-65 डालर प्र?ति टन हुए। पाम और पामोलीन तेल के दाम भी मजबूत रहे। विशेषज्ञों का कहना है कि देशी तेल-तिलहन उत्पादन बढ़ाना जरूरी है ताकि आयात पर निर्भरता कम हो और घरेलू बाजार स्थिर रहे। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 75 रुपये के सुधार के साथ 7,025-7,050 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दादरी मंडी में बिकने वाला सरसों तेल 225 रुपये के सुधार के साथ 14,825 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 30-30 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,460-2,560 रुपये और 2,460-2,605 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ।समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव क्रमशः 25-25 रुपये की तेजी के साथ क्रमशः 5,725-5,775 रुपये और 5,325-5,475 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए।इसी प्रकार, दिल्ली में सोयाबीन तेल 150 रुपये के सुधार के साथ 16,450 रुपये प्रति क्विंटल, इंदौर में सोयाबीन तेल 150 रुपये के सुधार के साथ 15,850 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल का दाम 100 रुपये के सुधार के साथ 13,300 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।मूंगफली तिलहन का दाम 7,250-7,725 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 17,550 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 2,770-3,070 रुपये प्रति टिन पर स्थिर रुख के साथ बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में कारोबारी धारणा में आम मजबूती के रुख के अनुरूप, सीपीओ तेल का दाम 25 रुपये के मामूली सुधार के साथ 13,625 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 25 रुपये सुधरकर 15,425 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव भी 25 रुपये की बढ़ोतरी के साथ 14,375 रुपये प्रति क्विंटल के साथ 14,850 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

ईरान युद्ध और घरेलू आंकड़ों से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

- वैश्विक और क्षेत्रीय अनिश्चितताओं के चलते बाजार में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है

एजेंसी > मुंबई

घरेलू शेयर बाजारों में पिछले कुछ सप्ताह से जारी गिरावट के बीच आने वाले सप्ताह में एक बार फिर निवेशकों की नजर ईरान युद्ध की स्थिति पर रहेगी। इसके अलावा इस सप्ताह में कुछ प्रमुख आंकड़े भी आने वाले हैं। सोमवार 30 मार्च को फरवरी के औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े जारी होने हैं। पश्चिम एशिया संकट शुरू होने के बाद की तस्वीर बताने वाला मार्च का पहला वृहत आंकड़ा विनिर्माण पीएमआई का होगा जो 2 अप्रैल को जारी होगा। वाहनों की बिक्री के कंपनियों के अलग-अलग आंकड़े भी 1 और 2 अप्रैल को जारी किये जायेंगे। इन सभी कारकों का असर शेयर बाजारों पर दिखेगा। बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में गिरावट का सिलसिला जारी रहा। पश्चिम एशिया में ईरान युद्ध के बढ़ते तनाव और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। इस सप्ताह में निवेशकों की निगाहें ईरान संकट पर रहेंगी। विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक और क्षेत्रीय अनिश्चितताओं के चलते बाजार में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है। बीएसई का सेंसेक्स सप्ताह के अंत में 73,583.22 अंक पर बंद हुआ, जो 949.74 अंक यानी 1.27 प्रतिशत की गिरावट दर्शाता है। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक 22,819.60 अंक पर बंद हुआ, जो 294.90 अंक या 1.27 प्रतिशत कम है। मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों पर भी दबाव देखा गया। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.13 प्रतिशत गिरकर बंद हुआ जबकि स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.63 प्रतिशत घटा। सेंसेक्स की 30 प्रमुख कंपनियों में से 20 के शेयरों में साप्ताहिक गिरावट दर्ज की गई। सबसे अधिक गिरावट बीईएल के शेयर में रही, जो 5 प्रतिशत तक लुढ़क गया। इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज 4.69 फीसदी, ट्रेंट 4.64 फीसदी, भारतीय स्टेट बैंक 3.62 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 3.10 फीसदी और टाइटन 3.09 प्रतिशत टूटे।

सम्पादकीय

वोट को लेकर जन-आंदोलन

मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ राष्ट्रीय जन-आंदोलन का माहौल बन गया है। कांग्रेस ने राज्यों की राजधानियों में विरोध-प्रदर्शन का आह्वान किया है। कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक भी 29 सितंबर को तय हुई है। शायद कोई बड़ा निर्णय सामने आएगा! 'राजनीतिक कॉकरोचों' ने भी सीईसी का इस्तीफा मांगते हुए आंदोलन की धमकी दी है। विपक्ष के कई प्रमुख नेताओं ने सीईसी के खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलाने और जेल में डालने की पुरजोर मांग की है। हालांकि दिसंबर, 2023 में चुनाव आयोग संबंधी कानून में संशोधन कर सीईसी, पूर्व सीईसी और चुनाव आयुक्तों को किसी भी तरह के केस और जेल भेजने की सजा से 'कानूनी छूट' दी गई थी। उनके खिलाफ आपराधिक कार्रवाई नहीं की जा सकती। यह संशोधन संसद में पारित किया गया था। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी समेत सभी विपक्षी नेता इस संसदीय संशोधन को जानते होंगे! फिर भी नेता प्रतिपक्ष ने सीईसी को 'गद्दार' और 'देशद्रोही' करार दिया है। उनके इस्तीफे और 'सरकारी गवाह' बनने की मांग की है। नेता प्रतिपक्ष को यकीन है कि ऐसे 'अपराधी' को सजा जरूर मिलनी चाहिए। विपक्ष का कथित 'इंडिया ब्लॉक' संसद के दोनों सदनों में, सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ, 'महाभियोग' प्रस्ताव लाने पर भी विचार कर रहा है। इसी साल मार्च-अप्रैल में भी 'महाभियोग' का प्रस्ताव दिया गया था, जिसे लोकसभा स्पीकर और राज्यसभा सभापति ने खारिज कर दिया था। लेकिन आसार पुख्ता होते जा रहे हैं कि शहर, कस्बा, गांव और गली-गली के स्तर पर देश का आम नागरिक 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (एसआईआर) का ही बहिष्कार कर दे! चूंकि उनके वोट काटे जा रहे हैं, लिहाजा संविधान में दिए मताधिकार का उल्लंघन किया जा रहा है। यदि संविधान का ही उल्लंघन होता रहा, तो लोकतंत्र किस काम का..? लोकतंत्र की बुनियाद ही आम मतदाता का वोट और जनादेश है।

(एक नजर)

पितृ पक्ष की 3 तिथियां हैं सबसे खास!

हमारे जीवन में पूर्वजों यानी पितरों का स्थान अत्यंत पूजनीय माना गया है. सनातन परंपरा में पितृ पक्ष(श्राद्ध महालय) का समय अपने स्वर्गीय पूर्वजों के प्रति सम्मान, कृतज्ञता और श्रद्धा प्रकट करने का एक पावन अवसर होता है. मान्यता है कि इस अवधि में हमारे पितर सूक्ष्म रूप में धरती पर आते हैं और परिजनों द्वारा किए गए तर्पण एवं दान-पुण्य से तृप्त होकर सुख-समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं. सामान्य नियम के अनुसार, जिस तिथि पर पूर्वज का गोलोकवास हुआ हो, उसी तिथि को उनका श्राद्ध किया जाता है. हालांकि, पितृ पक्ष के दौरान तीन ऐसी विशेष तिथियां आती हैं, जिनका अपना एक अलग और गहरा आध्यात्मिक महत्व है. महाभरणी श्राद्ध (अविवाहित व विशेष दिवंगत आत्माओं के लिए) भरणी नक्षत्र से जुड़ा होने के कारण इस दिन को महाभरणी श्राद्ध कहा जाता है. महत्व- धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, यदि परिवार में किसी सदस्य की असमय मृत्यु हुई हो, या वे अविवाहित रहे हों।

विचार

युगपुरुष श्रद्धेय अशोक सिंहल जी का जन्मशताब्दी वर्ष

नरेंद्र मोदी
प्रधानमंत्री

एक बहुत सुंदर सुभाषित है, ÷वृक्ष कबहुँ नहिं फल भखै, नदी न संचै नीर। परमारथ के कारने, साधुन धरा शरीर।÷ इसका मतलब है कि पेड़ कभी अपने फल स्वयं नहीं खाता, नदी अपना जल अपने पास नहीं रखती। इसी तरह, संत स्वभाव के लोग भी स्वयं को प्राथमिकता ना देते हुए, सदैव दूसरों की सेवा के लिए तत्पर रहते हैं, अपना जीवन लोक कल्याण के लिए समर्पित कर देते हैं। सदियों से हमारे ऋषियों ने हमें यही सिखाया है कि मानवता के कल्याण के लिए समर्पित जीवन का महत्व व्यक्तिगत उपलब्धियों से कहीं अधिक होता है। श्रद्धेय अशोक सिंघल जी का जीवन इस भावना का पुण्य उदाहरण है।27 सितंबर से हम स्वर्गीय अशोक सिंघल जी का जन्म-शताब्दी वर्ष मनाने जा रहे हैं। यह एक महान विभूति के सम्मान का सुअवसर है। उन्होंने आध्यात्मिक साधना, सांस्कृतिक जागरण और दशकों तक समर्पित भाव से समाज एवं संगठन के कार्यों को आगे बढ़ाया।यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि मुझे स्वर्गीय अशोक जी के साथ लंबे समय तक कार्य करने, उनसे सीखने, उनसे संवाद करने और उनका स्नेह प्राप्त करने का अवसर मिला। मुझे 1981 का एक प्रसंग याद आता है। उस समय मैं एक युवा कार्यकर्ता के तौर पर संगठन की ओर से मिली जिम्मेदारियां निभा रहा था। तब मुझे अशोक जी का हाथ से लिखा एक पत्र मिला। उन्होंने पत्र में आने वाले एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी थी और मुझे कुछ जिम्मेदारियां सौंपी थीं। उस समय अशोक सिंघल जी से पत्र पाना, मेरे लिए बहुत विशेष और यादगार क्षण बन गया था।

मैंने उन्हें कई दशकों तक दिन-रात काम करते देखा। वे देश के दूर-दराज के क्षेत्रों की लंबी और कई बार कठिन यात्राएं किया करते थे। गुजरात के आदिवासी क्षेत्रों में जाना उन्हें विशेष रूप से प्रिय था। वे लगातार इस पर चिंतन करते थे कि समाज के वंचित और अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों के लिए और क्या किया जा सकता है। जब भी देश में कहीं प्राकृतिक आपदा आती, तो अशोक सिंघल जी सबसे पहले वहां पहुंचने वालों में होते या फिर प्रभावित लोगों की सहायता के लिए कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन देते। वर्ष 2001 में कच्छ में आए भूकंप के बाद उनके साथ का मेरा अनुभव अविस्मरणीय बन गया।

आदरणीय अशोक जी अत्यंत प्रतिष्ठित और संपन्न परिवार से थे। उनके पिता श्री महावीर जी की एक प्रशासक के रूप में पहचान थी। उनके एक भाई श्री बी.पी. सिंघल जी पुलिस अधिकारी बने और बाद में संसद सदस्य भी रहे। दूसरे भाई श्री वी.पी. सिंघल जी त्रिपुरा के तब मुख्य सचिव बने, जब यह नया राज्य बना था। परिवार के अन्य सदस्यों ने भी कॉमर्स और कृषि के क्षेत्र में सफलता हासिल की। लेकिन शुरू से ही अशोक जी का झुकाव बिल्कुल अलग दिशा में था। बहुत कम उम्र में ही उनके व्यवहार में दूसरों के प्रति करुणा और सेवा की अद्भुत भावना दिखने लगी थी। वे चाहते थे कि भारत का पुनरुत्थान हो और मां भारती की संतान गौरवशाली उपलब्धियां हासिल करें। प्रयागराज में पले-बढ़े अशोक जी कई घंटे संगम के तट पर बैठा करते थे। नदी के प्रति उनका स्वाभाविक आकर्षण था। वहां आने वाले साधु-संत और श्रद्धालुओं से भी उनकी बहुत आत्मीयता थी। इससे भारत के सांस्कृतिक लोकाचार की उनकी समझ और समृद्ध हुई। समाज के लिए कुछ करने का उनका संकल्प भी और दृढ़ हुआ। दूसरों के लिए जीने की यही ललक उन्हें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में ले आई। उनको जो भी जिम्मेदारी मिली, उसे उन्होंने पूरे उत्साह, अनुशसन और कर्तव्यभाव से निभाया।

श्री अशोक सिंघल जी ने अपने निरंतर प्रयास और अथक परिश्रम से अनेक संस्थाओं और आंदोलनों को मजबूत किया। अपनी ओजस्वी वाणी और अभिव्यक्ति की अद्भुत शैली से वे पूरी सभा को मंत्रमुग्ध कर देते थे। अपने साथी कार्यकर्ताओं के प्रति वे अत्यधिक स्नेह रखते थे। जो भी उनके संपर्क में आता, वह उनकी सादगी से प्रभावित हुए बिना नहीं रहता। संत समाज के साथ उनके संबंध बहुत प्रगाढ़ थे। देशभर के साधु-संतों के बीच भी उनका काफी सम्मान था। संतगण उनके परामर्श को महत्व देते थे और उनकी बातों को पूरे आदरभाव से सुनते थे।मेरी स्मृति में ऐसी दो घटनाएं उभर रही हैं, जिनसे श्री अशोक सिंघल जी के विराट व्यक्तित्व को समझा जा सकता है। पहली घटना 1993 की है। विश्व हिंदू परिषद ने स्वामी विवेकानंद जी के शिकागो संबोधन के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में अमेरिका में एक सम्मेलन आयोजित किया था। विदेश में ऐसे भव्य सम्मेलन का विजन, उसकी प्लानिंग और विभिन्न समूहों को एक मंच पर लाने का भगीरथ प्रयास श्री अशोक जी के अद्वितीय संगठनात्मक कौशल का परिचायक था।

दूसरी घटना वर्ष 2000 की है, जब त्रिनिदाद और टोबैगो के पोर्ट ऑफ स्पेन में विश्व हिंदू सम्मेलन का आयोजन हुआ था। उस समय मैं भी वहीं था। मैंने प्रत्यक्ष देखा कि अशोक सिंघल जी की उपस्थिति ने अन्य प्रतिनिधियों में कितना उत्साह भर दिया था। मेरे संबोधन के बाद उन्होंने जिस तरह मेरी सराहना की, वो मेरे लिए बहुत भावुक कर देने वाला अनुभव था। मैंने एक बार फिर अनुभव किया कि उनका प्रोत्साहन किस तरह हर कार्यकर्ता को नई ऊर्जा से भर देता था।

राम जन्मभूमि आंदोलन में श्री अशोक सिंघल जी की ऐतिहासिक भूमिका का स्मरण किए बिना उनका कोई भी उल्लेख अधूरा है। वर्ष 1991 की बोट क्लब रैली में दिए गए उनके ओजस्वी संबोधन को कौन भूल सकता है? या आंदोलन के चरम पर लहूलुहान और घायल अवस्था में अशोक जी की वह ऐतिहासिक तस्वीर भला किसकी स्मृति से मिट सकती है? आज अयोध्या में भव्य राम मंदिर है, तो इसके पीछे अशोक जी जैसी विभूतियों का निस्वार्थ समर्पण है, जिन्होंने इसे संभव बनाने के प्रयास में स्वयं को पूरी तरह खपा दिया। आज यदि अशोक जी हमारे बीच होते तो अयोध्या में राम मंदिर को देखकर वो सबसे अधिक भावुक एवं प्रसन्न होते।

स्वर्गीय अशोक सिंघल जी के विचार बहुत सुलझे हुए थे। वे स्पष्ट रूप से मानते थे कि समाज में समरसता के साथ ही भाईचारे का संदेश मजबूत होना चाहिए। उन्होंने सामाजिक एकता और समानता के लिए निरंतर कार्य किया। उनका साफ मत था कि समाज में किसी प्रकार का कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति समान गरिमा व सम्मान का अधिकारी है। यही वजह थी कि उन्होंने अयोध्या में राम मंदिर की पहली ईंट रखने को लेकर अपने विचार को स्पष्ट रूप से रखा। उन्होंने ही कहा था कि यह पुनीत कार्य बिहार के वीएचपी कार्यकर्ता और वंचित वर्ग से आने वाले श्री कामेश्वर चौपाल जी के हाथों से हो। काशी में एक धर्म संसद के दौरान उन्होंने डोम राजा को सम्मानित करने का फैसला किया और कई सामुदायिक अभियानों में उनके साथ मिलकर काम किया।

राष्ट्र-निर्माण के साथ ही श्री अशोक सिंघल जी के दो ऐसे प्रिय क्षेत्र थे, जो उनके हृदय के अत्यंत निकट थे। शिक्षा (विशेषकर वैदिक शिक्षा) और संगीत, इन दोनों से उनका गहरा लगाव था। वाराणसी के सांसद के रूप में मुझे इस बात पर अत्यंत गर्व की अनुभूति होती है कि जहां का मैं प्रतिनिधित्व करता हूं, उस शाश्वत काशी ने श्री अशोक सिंघल जी के जीवन में एक अहम भूमिका निभाई। उन्होंने बीएचयू से शिक्षा प्राप्त की थी और वे एक मेधावी छात्र के रूप में जाने जाते थे। वे एकल विद्यालय की पहल से भी गहराई से जुड़े थे, जिसने दूर-दराज के गांवों, खासकर जनजातीय समुदायों तक बुनियादी शिक्षा पहुंचाने का कार्य किया। वे जितने गहरे अध्येता और उत्साही पाठक थे, उतने ही अच्छे श्रोता भी थे। वे युवा कार्यकर्ताओं को सदैव पुस्तकें पढ़ने के लिए प्रेरित करते रहते थे। आदरणीय अशोक जी को निकट से जानने वालों को पता है कि वे कितना सुंदर गाते थे। मुझे नागपुर की उन बैठकों की याद आती है, जिसमें वे %एकल गीत% गाया करते थे। उनका गायन सभी को मंत्रमुग्ध कर देता था और पूरी बैठक में नई ऊर्जा भर जाती थी। वर्ष 2015 में उनके 90वें जन्मदिवस समारोह का एक वीडियो खूब वायरल हुआ था, जिसमें उन्होंने 'हे मातृभूमि मेरी, हे पितृभूमि मेरी' गाकर सभी को चौंका दिया था।

स्वर्गीय अशोक सिंघल जी ने अपने जीवन में हर क्षण इस महान राष्ट्र के उत्कर्ष का ही स्वप्न देखा था। उनके आदर्शों से आज भी हमें ये प्रेरणा मिलती है। उनकी जन्मशती के इस पावन अवसर पर हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अधिक से अधिक युवा उनके विराट व्यक्तित्व और महानता से परिचित हों। आइए, हम अपने राष्ट्र और देशवासियों के लिए अशोक सिंघल जी के सपनों को साकार करने के संकल्प को एक बार फिर दोहराएं।

विचार

मोबाइल की दीवानगी कहां लेकर जाएगी?

योगेंद्र योगी
लेखक

खासकर कम पढ़े-लिखे माता-पिता को बच्चे कई बार इन वजहों का हवाला देकर समझाने की कोशिश करते हैं। हालांकि कई मामलों में असली वजह दोस्तों के बीच फोन को प्रदर्शित करना और खुद को उनसे पीछे न दिखाना होती है। भारत में मार्केट रिसर्च फर्म 'काउंटरपॉइंट रिसर्च' की रिपोर्ट के मुताबिक, इस साल बिकने वाले कम से कम 42 प्रतिशत आईफोन ईएमआई (किस्तों) पर खरीदे जाएंगे।

व्यापक संदर्भ में देखें, तो ऐसे मामलों में दोष केवल युवाओं का भी नहीं है। कुछ बच्चे माता-पिता पर दबाव बनाते हैं कि अगर उन्हें लेटेस्ट फोन नहीं मिला तो वे पढ़ाई नहीं करेंगे। बच्चे महंगा स्मार्टफोन यह कहकर मांगते हैं कि इससे पढ़ाई, प्रोजेक्ट और नई तकनीक सीखने में मदद मिलेगी। खासकर कम पढ़े-लिखे माता-पिता को बच्चे कई बार इन वजहों का हवाला देकर समझाने की कोशिश करते हैं। हालांकि कई मामलों में असली वजह दोस्तों के बीच फोन को प्रदर्शित करना और खुद को उनसे पीछे न दिखाना होती है। भारत में मार्केट रिसर्च फर्म 'काउंटरपॉइंट रिसर्च' की रिपोर्ट के मुताबिक, इस साल बिकने वाले कम से कम 42 प्रतिशत आईफोन ईएमआई (किस्तों) पर खरीदे जाएंगे। देश के ज्यादातर परिवारों की आय सीमित है। ऐसे में 75000 रुपए या उससे महंगे फोन की किस्तें चुकाना कई परिवारों को कर्ज में धकेल रहा हैयुवा किसी भी देश का भविष्य होते हैं। देश का भविष्य बनने वाले युवा भविष्य की चिंता किए बगैर सिर्फ एक झूठी होड़ का शिकार हों तो देश का भला कैसे होगा? मौजूदा दौर में मोबाइल को लेकर जो मारामारी मची हुई है, उसे देख कर लगता है कि जैसे देश के युवाओं के सामने कोई चुनौती नहीं बची है। युवाओं के स्वास्थ्य और भविष्य पर मोबाइल के नए से नए ब्रांडों का आकर्षण उन्हें दलदल की तरफ धकेल रहा है। महंगे मोबाइल ब्रांडों के जुनून से तो यही लगता है कि इस देश में बेरोजगारी और युवाओं से जुड़ी कोई समस्या बची ही नहीं है। नए से नए मोबाइल ब्रांड को पाने के लिए देश के युवा मारामारी करते रहे हैं। ऐसा लगता है कि जैसे वे इतने जरूरी काम में जुटे हुए हैं कि यदि यह नहीं हुआ तो उनका भविष्य खराब हो जाएगा। एक अमरीकी कंपनी के नए ब्रांड को लेकर युवा रातभर लाइन में खड़े रहे और अपने नंबर का इंतजार करते रहे। दिल्ली से मुंबई तक देश के कई शहरों में इस कंपनी के स्टोर के बाहर सैकड़ों लोग सुबह स्टोर खुलने की इंतजार में रात भर कतार में लगे रहे। वह भी एक ऐसे मोबाइल के लिए जिसकी कीमत भी डेढ़ से सवा तीन लाख रुपए तक की है। इनमें चंद ही ऐसे युवा होंगे जो इतने महंगे फोन से कुछ कमाई करेंगे, बाकी सभी तो सिर्फ जुनून के शिकार हैं। सवाल सिर्फ इतना नहीं है कि लोग महंगा फोन खरीदने के लिए इतनी मेहनत क्यों कर रहे हैं?

बड़ा सवाल यह है कि कुछ लोगों को नया फोन, नई कार, नया गैजेट या कोई भी लेटेस्ट प्रोडक्ट सबसे पहले खरीदने की इतनी जल्दी क्यों होती है। साइकोलॉजी में इसे नयापन अर्थात अनोखा या अलग अनुभव करने की इच्छा कहते हैं। इसे आकर्षण से जोडक़र देखा जाता है। इनसान को नई और अलग चीजें स्वाभाविक तौर पर दिलचस्प लगती हैं। नए प्रोडक्ट के साथ नई तकनीक, नया डिजाइन और नई पहचान जुड़ी होती है।

विचार

जहाँ प्रकृति पुकारती है, वहाँ धमतरी आपका इंतज़ार कर रहा है

शशिरत्न पाराशर,
उप संचालक

कल्पना कीजिए—चारों ओर शांत जलराशि, दूर तक फैली हरियाली, खुले आसमान से झांकती सुनहरी धूप, ठंडी हवा का स्पर्श और शहर की भागदौड़ से दूर प्रकृति के बीच बिताए कुछ सुकून भरे पल। नाव धीरे-धीरे जल को चीरते हुए आगे बढ़ती है और लगभग 40 मिनट बाद सामने उभरता है एक खूबसूरत द्वीप। यहां पहुंचते ही महसूस होता है कि यात्रा केवल किसी स्थान तक पहुंचने की नहीं, बल्कि प्रकृति के और करीब आने की है। सेवा यह है गंगरेल का द्वीप, जो अब धमतरी के पर्यटन मानचित्र पर अनुभव आधारित पर्यटन की नई कहानी लिखने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

हर वर्ष 27 सितंबर को मनाया जाने वाला विश्व पर्यटन दिवस पर्यटन के सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक महत्व को रेखांकित करता है। वर्ष 2026 की थीम ÷डिजिटल एजेंडा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता द्वारा पर्यटन का पुनर्गठन÷ पर्यटन के बदलते स्वरूप की ओर संकेत करती है। आज का पर्यटक केवल किसी स्थान को देखना नहीं चाहता, वह उसे महसूस करना, उसके साथ जुड़ना और एक यादगार अनुभव लेकर लौटना चाहता है। धमतरी इसी नई पर्यटन अवधारणा के अनुरूप प्रकृति, रोमांच, संस्कृति और स्थानीय समुदाय को एक साथ जोड़ने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

गंगरेल के द्वीप पर रोमांच का नया संसार

गंगरेल जलाशय के विस्तृत जलक्षेत्र के मध्य स्थित द्वीप पर पहली बार आइलैंड कैंपसाइट विकसित किया गया है। यह पहल धमतरी में एडवेंचर, नेचर और कम्युनिटी टूरिज्म की संभावनाओं को एक नया आयाम देती है। 17 एवं 18 सितंबर को टूर ऑपरेटर्स के लिए आयोजित एफएएम ट्रिप के दौरान गंगरेल बांध, जलक्षेत्र, द्वीपों तथा आसपास के प्राकृतिक और सांस्कृतिक परिवेश का प्रत्यक्ष अनुभव कराया गया। इसके बाद 19 एवं 20 सितंबर को छत्तीसगढ़ की ट्रैवल कंपनी आयोजित किया गया। इसमें छत्तीसगढ़ के साथ ओडिशा और तमिलनाडु से आए पर्यटकों ने सहभागिता की। संकल्प अभियान अंतर्गत यह विशेष लेख आप पढ़ रहे है।

द्वीप तक पहुंचने वाली लगभग 40 मिनट की बोट यात्रा ही इस अनुभव की पहली रोमांचक कड़ी बनी। इसके बाद शुरू हुआ प्रकृति के बीच ठहरने, घूमने और उसे महसूस करने का सिलसिला। नाइट कैंपिंग, ट्रेकिंग, फिशिंग, स्विमिंग, बोनफायर, आउटडोर कुकिंग, बर्ड वॉचिंग और स्टार गेजिंग जैसी गतिविधियों ने इस यात्रा को सामान्य भ्रमण से अलग एक विशिष्ट अनुभव में बदल दिया।रात के शांत जलक्षेत्र के बीच कैंप में ठहरना, खुले आसमान के नीचे तारों को निहारना और प्रकृति की खामोशी को महसूस करना—ऐसे अनुभव पर्यटक को केवल किसी स्थान की तस्वीर नहीं देते, बल्कि उसकी स्मृतियों में एक कहानी छोड़ जाते हैं।

धमतरी—जहाँ हर अनुभव की अपनी कहानी है

गंगरेल का द्वीप धमतरी की पर्यटन संभावनाओं की केवल एक झलक है। जिले में पर्यटन की विविधता इसकी सबसे बड़ी विशेषता है।गंगरेल एडवेंचर स्पोर्ट्स रोमांच और जल पर्यटन का अनुभव देते हैं, तो ठेमली आइलैंड द्वीप पर्यटन की नई संभावनाओं को सामने लाता है। नरहरा वाटरफॉल प्रकृति और ट्रेकिंग के आकर्षण से जोड़ता है। महानदी का उद्गम सिहावा आध्यात्मिकता, प्रकृति और विरासत का अद्भुत संगम है। रूद्री कॉरिडोर और कायकिंग महानदी के तटवर्ती अनुभवों को नया स्वरूप दे रहे हैं। वहीं हरफर, मेचका और जबर्रा जैसे क्षेत्र सामुदायिक एवं इको-टूरिज्म की संभावनाओं को सामने लाते हैं। निरई माता श्रद्धा और प्रकृति के अनूठे समन्वय का अनुभव कराती है।

इन सभी स्थलों को एक व्यापक पर्यटन परिपथ से जोड़ने पर धमतरी में ऐसा पर्यटन अनुभव विकसित किया जा सकता है, जिसमें पर्यटक एक ही यात्रा में जल, जंगल, रोमांच, आस्था, संस्कृति और ग्रामीण जीवन को महसूस कर सके।

पर्यटन बने स्थानीय समृद्धि का माध्यम

पर्यटन का वास्तविक प्रभाव तब दिखाई देता है, जब उसका लाभ स्थानीय समुदाय तक पहुंचे। गंगरेल जैसे क्षेत्रों में बोटिंग, स्थानीय गाइड, कैंप प्रबंधन, आतिथ्य, भोजन व्यवस्था, ट्रेकिंग, हस्तशिल्प, स्थानीय उत्पादों और अन्य पर्यटन सेवाओं में स्थानीय युवाओं तथा महिला समूहों की भागीदारी रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसरों का आधार बन सकती है।स्थानीय व्यंजन पर्यटक के लिए स्वाद का अनुभव बन सकते हैं, स्थानीय हस्तशिल्प स्मृति का हिस्सा बन सकते हैं और गांवों की जीवनशैली स्वयं एक पर्यटन अनुभव बन सकती है। इस प्रकार पर्यटन किसी स्थल की अर्थव्यवस्था को ही नहीं, बल्कि स्थानीय संस्कृति और परंपराओं को भी नई पहचान देने का माध्यम बनता है।

वेदों में वर्णित है मां की महिमा

वेदों में 'मां' को 'अंबा', 'अम्बिका', 'दुर्गा', 'देवी', 'सरस्वती', 'शक्ति','ज्योति','पृथ्वी' आदि नामों से संबोधित किया गया है। इसके अलावा 'मां' को 'माता', 'मात', 'मातृ', 'अम्मा', 'अम्मी', 'जननी', 'जन्मदात्री', 'जीवनदायिनी', 'जनयत्री', 'धात्री', 'प्रसू' आदि अनेक नामों से पुकारा जाता है।

रामायण में श्रीराम अपने श्रीमुख से 'मां' को स्वर्ग से भी बढ़कर मानते हैं। वे कहते हैं–

'जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी।'

अर्थात, जननी और जन्मभूमि स्वर्ग से भी बढ़कर है।

महाभारत में जब यक्ष धर्मराज युधिष्ठर से सवाल करते हैं कि 'भूमि से भारी कौन' तब युधिष्ठर जवाब देते हैं–

'माता गुरुतरा भूमेरू।'

अर्थात, माता इस भूमि से कहीं अधिक भारी होती हैं।

इसके साथ ही महाभारत महाकाव्य के रचियता महर्षि वेदव्यास ने 'मां' के बारे में लिखा है–

'नास्ति मातृसमा छाया, नास्ति मातृसमा गतिः।
नास्ति मातृसमं त्राण, नास्ति मातृसमा प्रिया।।'

अर्थात, माता के समान कोई छाया नहीं है, माता के समान कोई सहारा नहीं है। माता के समान कोई रक्षक नहीं है और
माता के समान कोई प्रिय चीज नहीं है

तैतरीय उपनिषद में 'मां' के बारे में इस प्रकार उल्लेख मिलता है–

'मातृ देवो भवः।'

अर्थात, माता देवताओं से भी बढ़कर होती है।

'शतपथ ब्राह्मण' की सूक्ति कुछ इस प्रकार है–

'अथ शिक्षा प्रवक्ष्यामः
मातृमान पितृमानाचार्यवान पुरूषो वेदः।'

अर्थात, जब तीन उत्तम शिक्षक अर्थात एक माता, दूसरा पिता और तीसरा आचार्य हो तो तभी मनुष्य ज्ञानवान होगा।

'मां' के गुणों का उल्लेख करते हुए आगे कहा गया है–

'प्रशस्ता धार्मिकी विदुषी माता विद्यते यस्य स मातृमान।'

अर्थात, धन्य वह माता है जो गर्भावान से लेकर, जब तक पूरी विद्या न हो, तब तक सुशीलता का उपदेश करे।

हितोपदेश–

आपदामापन्तीनां हितोप्यायाति हेतुताम ।
मातृजङ्घा हि वत्सस्य स्तम्भीभवति बन्धने ?

जब विपत्तियां आने को होती हैं, तो हितकारी भी उनमें कारण बन जाता है। बछड़े को बांधने में मां की जांघ ही खम्भे का काम करती है।

स्कन्द पुराण–

नास्ति मातृसमा छाया नास्ति मातृसमा गतिः।
नास्ति मातृसमं त्राण, नास्ति मातृसमा प्रिया।।'

महर्षि वेदव्यास

माता के समान कोई छाया नहीं, कोई आश्रय नहीं,

मां के लिए बस एक दिन?

बड़ी अनुपम (सुखमय) अनुभूति होती है, जब हम अपनी मां को महत्व देते हैं। लेकिन क्या मां को याद करने के लिए सिर्फ 'एक ही दिन' पर्याप्त है? मां की ममता तो असीमित है, तो उनके लिए हमारा आदर क्यों सिर्फ एक ही दिन के लिए सीमित रहे? हम चाहे तो हर दिन को अपनी मां के लिए महत्वपूर्ण बना सकते हैं। वह तो हमारे जीवन की हर राह पर साथ है।

मां की ममता को याद कर, उनके दिए साथ को कभी न भुलाकर हम उन्हें खास दिन पर खास बना सकते हैं। उन्हें यह अहसास दिलाकर कि– 'मां, जिस तरह आपने मेरे जीवन की हर राह पर मेरा साथ दिया, मैं भी उसी तरह हर कदम पर आपके साथ खड़ी हूं। जब मेरे कदम लड़खड़ाए थे, तब मां सिर्फ आपने ही मुझे सहारा दिया। जब मेरी आंखों से आंसू गिरे, आपके आंचल ने ही उन आंसुओं को पोंछा। लेकिन अब सिर्फ मेरी बारी है तुम्हें सहारा देने की, तो मैं क्यों पीछे हटूं? जब आपके कदम लड़खड़ाएंगे, तो मैं भी हर कदम पर आपके साथ हूं।'

हमारे समाज में हर बात को महत्व देने के लिए 365 दिनों में से सिर्फ 'एक दिन' तय कर दिया गया है, पर मां को महत्व देने के लिए सिर्फ एक दिन काफी नहीं है। जिस तरह मां की ममता और प्रेम 'असीमित और निःस्वार्थ' है, उसी तरह मां के लिए हर दिन एक महत्व लिए होना चाहिए और सिर्फ दिन ही क्यों बल्कि हर क्षण वह हमारे लिए महत्वपूर्ण होनी चाहिए।

अगर हम भी बिना किसी स्वार्थ के उन्हें आदर देकर, मां की ममता को भूले बिना और उनका हर सुख–दुःख में साथ दें तो अपना जीवन सार्थक बना सकते हैं।

क्यों न हम सिर्फ 'एक ही दिन' को मां के लिए महत्वपूर्ण न बनाकर 'हर क्षण' को सदियों तक मां के लिए महत्वपूर्ण बनाएं। उसे हर क्षण यह अहसास दिलाएं कि वे हमारे जीवन में एक 'सम्माननीय पद' पर आसीन हैं ताकि हर दिन एक ममता दिवस के रूप में यादगार बन जाए।

कब, क्यों और कैसे शुरू हुई मदर्स डे मनाने की परम्परा

सारी दुनिया मई महीने के दूसरे रविवार को मदर्स डे सेलीब्रेट करती है, ये तो सभी जानते हैं कि ये दिन खासतौर से सभी माताओं को समर्पित है। वैसे तो माताओं के प्रति प्यार और सम्मान हर पल ही मन में होता है लेकिन इस एक दिन उसे जताकर माताओं को खास महसूस कराये जाने का चलन है। इस दिन मां के प्रति कृतज्ञता व्यक्त कर उनके अथाह प्यार और स्नेह के लिए धन्यवाद दिया जाता है। जितना खास है यह दिन, उतनी ही रोचक है इस दिन को मनाने की शुरुआत भी।अलग-अलग देशों में इस दिन को मनाने की अलग-अलग कहानी है। जानिए कब, क्यों और कैसे हुई मदर्स डे मनाने की शुरुआत

मदर्स डे ग्राफटन वेस्ट वर्जिनिया में एना जॉर्विस ने सभी माताओं और उनके मातृत्व को सम्मान देने के लिए आरंभ किया गया था। इसे दुनिया के हर कोने में अलग–अलग दिनों में मनाया जाता हैं। इस दिन कई देशों में विशेष अवकाश घोषित किया जाता है।

कुछ विद्वानों का दावा है कि मां के प्रति सम्मान यानी मां की पूजा का रिवाज पुराने ग्रीस से आरंभ हुआ है। कहा जाता है कि स्खेले ग्रीक देवताओं की मां थीं, उनके सम्मान में यह दिन मनाया जाता था। यह दिन त्योहार की तरह मनाने की प्रथा थी। एशिया माइनर के आस–पास और साथ ही साथ रोम में भी वसंत के आस–पास इदेस ऑफ मार्च 15 मार्च से 18 मार्च तक मनाया जाता था।

मनाया जाता था मदरिंग संडे

यूरोप और ब्रिटेन में मां के प्रति सम्मान दर्शाने की कई परंपराएं प्रचलित हैं। उसी के अंतर्गत एक खास रविवार को मातृत्व और माताओं को सम्मानित किया जाता था। जिसे मदरिंग संडे कहा जाता था। मदरिंग संडे फेस्टिवल, लितुर्गिकल कैलेंडर का हिस्सा है। यह कैथोलिक कैलेंडर में लेतारे संडे, लेंट में चौथे रविवार को वर्जिन मेरी और 'मदर चर्च' को सम्मानित करने के लिए मनाया जाता हैं। परंपरानुसार इस दिन प्रतीकात्मक उपहार देने तथा मां का हर काम परिवार के सदस्य द्वारा किए जाने का उल्लेख मिलता है। अमेरिका में सर्वप्रथम मदर डे प्रोक्लॉमेशन जुलिया वॉर्ड होवे द्वारा मनाया गया था। होवे द्वारा 1870 में रचित ''मदर डे प्रोक्लामेशन'' में अमेरिकन सिविल वॉर (युद्ध) में हुई मारकाट संबंधी शांतिवादी प्रतिक्रिया लिखी गई थी। यह प्रोक्लामेशन होवे का नारीवादी विश्वास था जिसके अनुसार महिलाओं या माताओं को राजनीतिक स्तर पर अपने समाज को आकार देने का संपूर्ण दायित्व मिलना चाहिए। 1912 में एना जॉर्विस ने सेकंड संडे इन मई फॉर 'मदर्स डे' को ट्रेडमार्क बनाया और मदर डे इंटरनेशनल एसोसिएशन का गठन किया।

गूगल से जानकारी ढूंढने जाएं तो मदर्स डे के दो प्राथमिक परिणाम सामने आते हैं, वो है,लेंट में मदरिंग संडे, ब्रिटिश कैलेंडर के चौथे संडे के रूप में और मई के दूसरे संडे के रूप में। चीन में मातृ दिवस बेहद लोकप्रिय है और इस दिन उपहार के रूप में गुलनार के फूल सबसे अधिक बिकते हैं। 1997 में चीन में यह दिन गरीब माताओं की मदद के लिए निश्चित किया गया था। खासतौर पर उन गरीब माताओं के लिए जो ग्रामीण क्षेत्रों, जैसे पश्चिम चीन में रहती हैं। जापान में मातृ दिवस शोवा अवधि के दौरान महारानी कोजुन (सम्राट अकिहितो की मां) के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता था। आज कल इसे अपनी मां के लिए ही लोग मनाते हैं। बच्चे गुलनार और गुलाब के फूल उपहार के रूप में मां को अवश्य देते हैं। थाईलैंड में मातृत्व दिवस थाइलैंड की रानी के जन्मदिन पर मनाया जाता है। भारत में इसे कस्तुरबा गांधी के सम्मान में मनाए जाने की परंपरा है।

बाद में यह तारीखें कुछ इस तरह बदली कि वि?भिन्न देशों में प्रचलित धर्मों की देवी के जन्मदिन या पुण्य दिवस को इस रूप में मनाया जाने लगा। जैसे कैथोलिक देशों में वर्जिन मैरी डे और इस्लामिक देशों में पैगंबर मुहम्मद की बेटी फातिमा के जन्मदिन की तारीखों से इस दिन को बदल लिया गया।

वैसे कुछ देश 8 मार्च वुमंस डे को ही मदर्स डे की तरह मनाते हैं। यहां तक कि कुछ देशों में अगर मदर्स डे पर अपनी मां को विधिवत सम्मानित नहीं किया जाए तो उसे अपराध की तरह देखा जाता है। चीन में मातृ दिवस बेहद लोकप्रिय है और इस दिन उपहार के रूप में गुलनार के फूल सबसे अधिक बिकते हैं। 1997 में चीन में यह दिन गरीब माताओं की मदद के लिए निश्चित किया गया था। खासतौर पर उन गरीब माताओं के लिए जो ग्रामीण क्षेत्रों, जैसे पश्चिम चीन में रहती हैं। जापान में मातृ दिवस शोवा अवधि के दौरान महारानी कोजुन (सम्राट अकिहितो की मां)

ईश्वर का मां रूप होती है

एक एहसास है मां। प्यार भरी लोरी है, जिसे सुनते ही बच्चे को नींद आ जाती है, वह आंख है, जो बच्चे के लिए रात–रात भर जागती है। तावीज बनकर बुरी नजर से बचाती है तो गर्म दुपहरी में छांह बन जाती है। मां सुबह की नर्म–मुलायम धूप है, जो तन–मन में ऊर्जा जगा देती है, हवा है– छू कर गुजरे तो दिल को सुकून मिल जाता है, वह आंचल है, जिसमें छुप कर हम दुनिया की हर तकलीफ को भुला देते हैं, वह गोद है जो हमारी ख्वाबगाह बन जाती है। मां कोई जादूगर है, जो हमारे मन की हर बात समझ जाती है, जिसे हमारा चेहरा देखते ही समझ आ जाता है कि हमें क्या चाहिए। मां वह आईना है, जिसमें हम खुद को देखते हैं और खुदा को महसूस करते हैं..।

हर मोड पर है नई चुनौती

..लेकिन क्या मां की जिंदगी किसी कविता जैसी सहज और आसान है? बच्चे को कोख में धारण करने, जन्म देने, परवरिश, करियर और शादी से लेकर उनके बच्चों के जन्म तक मां एक ही जीवन में कई जीवन जीती है। हर जीवन नई चुनौतियां लेकर आता है। मां की पूरी जिंदगी एक रोलर–कोस्टर की तरह है।

पिछले कुछ वर्षो में तो मां की भूमिका और भी चुनौतीपूर्ण हो गई है। राशन–बिलों की लंबी लाइनों में खडी, सब्जी वाले से मोलभाव करती, ग्रॉसरी स्टोर में स्कीम्स पर नजर दौडाती, काम वाली बाई को हिदायतें देती और फिर घडी की सुइयों से भी तेज भागते हुए दफ्तर पहुंचती इस मां का जीवन बहुत बदल चुका है। वह टीनएज बच्चों की सुरक्षा के लिए फिक्रमंद रहती है और उन पर नजर रखने की हरसंभव कोशिशें करती है। फेसबुक पर अनफ्रेंड कर दिए जाने के बावजूद बच्चों के अकाउंट एक्सेस कर लेने को अपनी जीत मान लेती है। वह ई–मेल और वेबकैम से दूर बसे बेटा–बेटी का हालचाल लेती है तो एसएमएस के जरिये डाइट और दिनचर्या के बारे में सख्त हिदायतें देना भी नहीं भूलती..। मां आत्मनिर्भर है, आत्मविश्वास से भरपूर है, बच्चों की दोस्त है..। मगर बच्चे की आंख में आंसू नहीं देख पाती। मां के इस सफर में हजारों मुश्किलें हैं। पालक, संरक्षक, सलाहकार, नर्स, शिक्षक जैसी हर भूमिका मां एक साथ निभाती है। सच यह है कि मां भी बच्चों के साथ धीरे–धीरे बडी होती है, परिपक्व होती है। मां की इस यात्रा में कई मोड आते हैं।

जन्म लेती मां

बच्चे के जन्म से पहले ही मातृत्व का अनोखा सफर शुरू हो जाता है। शिशु मां पर निर्भर होता है। उसके साथ सोना–उठना, हर पल उसे अपनी मौजूदगी का एहसास कराना, उसकी हर पीडा को बिना कहे समझ जाना..। फैशनेबल कपडे, दोस्त, पार्टीज, लेट नाइट मूवीज, शॉपिंग, सामाजिक आयोजन.., मां कुछ साल दुनियादारी से पूरी तरह कट कर सिर्फ बच्चे की होकर रह जाती है। बच्चा फुलटाइम जॉब है–मां होलटाइमर। अब उसके पर्स में मेकअप का सामान और एक्सेसरीज नहीं, बल्कि दूध की बॉटल, डाइपर्स, कैंडीज मिलती हैं।

उलझनें नई मां की

प्रसव के दौरान मां का तनाव और दबाव बढता है। एक शोध के मुताबिक लगभग 13 फीसदी स्त्रियां प्रसव के बाद डिप्रेशन से जूझती हैं। क्लिनिकल भाषा में इसे पोस्टपार्टम डिप्रेशन कहा जाता है। यह अस्थायी होता है, लेकिन समय रहते ध्यान न दिया जाए तो इससे स्त्री में नकारात्मक दृष्टिकोण व असुरक्षा–भय पैदा होने लगता है जो साइको सोमेटिक डिसॉर्डर के रूप में दिखता है। इस दौरान खुशी देने वाले हॉर्मोंस जैसे सेरोटोनिन का स्तर घटता है। यह ब्रेन से रिलीज होने वाला हॉर्मोन है, जो मूड अच्छा करता है। बढती जिम्मेदारियां, शारीरिक परिवर्तन, समय का अभाव और भूमिकाओं का द्वंद्व भी डिप्रेशन का कारण बनता है।

ईश्वर ने दुनिया बनाई। जब उसे लगा कि वह अकेले इसकी देखभाल नहीं कर सकता तो उसने मां की रचना की।

बडी होती मां

मां सबसे ज्यादा खुद को अपडेट कब करती है? इसका जवाब है– जब बच्चे टीनएज में आते हैं। बच्चों की टीनएज दरअसल मातृत्व की भी टीनएज है। अब मां को गाइड के साथ ही दोस्त की भूमिका भी निभानी पडती है। मां की पदोन्नति होती है, लेकिन जिम्मेदारियां भी बढती हैं। उसे समझना पडता है कि कैसे कठोर अनुशासन और लचीलेपन के साथ बीच की राह खोजे।

पेरेंटिंग का द्वंद्व

इस मोड पर दिल न तो बच्चों की बातों को सही ठहरा पाता है, न पूरी तरह उन्हें खारिज कर पाता है। मां यह अपेक्षा तो रखती है कि बच्चा जिम्मेदार बने, लेकिन यह नहीं समझ पाती कि उसे कितनी आजादी दे। अभी तुम बच्चे हो और तुम बडे हो गए हो के बीच का द्वंद्व मातृत्व की टीनएज को बहुत परेशान करता है। दूसरी ओर टीनएजर्स की बदलती दुनिया भी हैरान करती है।

परिपक्व होती मां

बच्चों के साथ ही मां भी परिपक्व होती है। उसमें स्थायित्व आता है। मातृत्व अब उसे इतना हैरान–परेशान नहीं करता। मां के सफर का यह ऐसा पडाव है, जहां वह पूरी तरह निश्चिंत न सही, मगर थोडा सुकून से बैठ सकती है। यहां पहुंच कर जीवन में ठहराव आता है, मगर युवा बच्चों की दुनिया में कई बार वह थोडा असहज भी महसूस करने लगती है। यह स्थिति खासतौर पर तब आती है जब बच्चे उच्च शिक्षा या करियर के लिए दूर चले जाएं या उनकी शादी हो जाए।

बचपन में लौटती मां

मातृत्व की राह का यह चौथा पडाव बेहद खूबसूरत होता है। यहां आकर एक बार फिर बचपन को जीने लगती है मां। नानी–दादी बनने का यह नया एहसास कुछ अलग सा होता है। तुम्हारी मां भी ऐसी ही थी बचपन में.., तुम्हारे पापा भी इतने जिद्दी थे.., इतिहास एक बार फिर खुद को दोहराता नजर आता है। नाती–पोतों–पोतियों के साथ खेलती–खाती, हंसती–गुनगुनाती है मां..।

खुश रहें–संतुष्ट रहें

शरीर की सीमाएं हैं, लेकिन मन की कोई सीमा नहीं। शरीर चुकने लगे तो मन को जवां बनाएं। अपनों का साथ हो तो उम्र का यह दौर बहुत संबल देता है। इस दौर में अगर दो पीढियां तीसरी पीढी को अपने–अपने समय के सर्वोत्तम मूल्य दे सकें तो बहुत अच्छा हो। नानी–दादी प्रेरणादायक कहानियां सुना सकती हैं, मूल्यों व परंपराओं के बारे में बता सकती हैं। थोडी सी समझदारी से मातृत्व का यह चौथा पडाव खूबसूरत बन सकता है, बस जरूरत है दृष्टिकोण बदलने की। अपनी आंखों में नई दुनिया बसाएं और मां के इस सफरनामे में खुशनुमा अध्याय जोडें।

मां, तुम सबसे अच्छी हो

मां, इस एक शब्द को सुनने के लिए नारी अपने समस्त अस्तित्व को दांव पर लगाने को तैयार हो जाती है। नारी अपनी संतान को एक बार जन्म देती है। लेकिन सच तो यह है कि बच्चे के बड़े होने तक अलग–अलग रूपों में खुद उसका पुनर्जन्म होता है। यानी एक शिशु के जन्म के साथ ही स्त्री के कई खूबसूरत रूपों में लगातार अभिव्यक्त होती है। पल– पल उसके दिल के सागर में ममता की मार्मिक लहरें आलोड़ित होती है। अपने हर ज्वार के साथ उसका रोम–रोम अपनी संतान पर न्योछावर होने को बेकल हो उठता है। नारी अपने कोरे कुंवारे रूप में जितनी सलोनी होती है उतनी ही सुहानी वह विवाहिता होकर लगती है लेकिन उसका नारीत्व संपूर्णता पाता है मां बन कर। संपूर्णता के इस पवित्र भाव को जीते हुए वह एक दिव्य अलौकिक प्रकाश से भर उठती है। उसका चेहरा अपार कष्ट के बावजूद हर्ष से चमकने लगता है जब एक नर्म गुदगुदाता जीव उसके कलेजे से आ लगता है। उसका अपना प्राकृतिक सृजन जब उसे देखकर चहकता है तो उसकी आंखों में खुशियों के हजारों दीप झिलमिलाने लगते हैं। लाज और लावण्य से दीपदिपाते–पुलकित इस भाव को किसी भाषा, किसी शब्द और किसी व्याख्या की आवश्यकता नहीं होती। मां शब्द की पवित्रता का अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि हिन्दू धर्म में देवियों को मां कहकर पुकारते है। बेटी या बहन के संबोधनों से नहीं। मदर मैरी और बीवी फातिमा का ईसाई और मुस्लिम धर्म में विशिष्ट स्थान है। माँ के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए एक दिवस नहीं एक सदी भी कम है। किसी ने कहा है ना कि सारे सागर की स्याही बना ली जाए और सारी धरती को कागज मान कर लिखा जाए तब भी मां की महिमा नहीं लिखी जा सकती। इसीलिए हर बच्चा कहता है मेरी मां सबसे अच्छी है। जबकि मां, इसकी– उसकी नहीं हर किसी की अच्छी ही होती है, क्योंकि वह मां होती है। मातृ दिवस पर हर मां को उसके अनूठे अनमोल मातृ–बोध की बधाई।

न्यूज इन शॉर्ट

आबकारी टीम ने पिंकी को किया गिरफ्तार, 7.2 लीटर महुआ शराब जब्त

कोरबा। जिले में अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत आबकारी विभाग ने राजकम्मा आवासपारा में कार्रवाई करते हुए 22 वर्षीय सैजल उर्फ पिंकी ध्रुव को गिरफ्तार किया है। आबकारी विभाग के अनुसार उसके कब्जे से 7.2 लीटर महुआ शराब जब्त की गई है। आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर उसे जेल भेज दिया गया है। आबकारी विभाग के मुताबिक, सैजल उर्फ पिंकी ध्रुव की तलाश पिछले कुछ दिनों से की जा रही थी। इससे पहले 20 सितंबर को आबकारी विभाग की टीम ने इलाके में अवैध शराब को लेकर कार्रवाई की थी। उस दौरान पिंकी टीम को चकमा देकर मौके से भागने में सफल हो गई थी।

20 सितंबर की कार्रवाई के दौरान उसकी साथी भगवती ध्रुव को आबकारी टीम ने पकड़ा था। विभाग के अनुसार भगवती ध्रुव के कब्जे से 13.2 लीटर महुआ शराब बरामद की गई थी। वहीं पिंकी के फरार हो जाने के बाद से आबकारी विभाग की टीम लगातार उसकी तलाश कर रही थी। आबकारी उपनिरीक्षक दीपमाला लक्षवानी और आरक्षक अभिषेक चौहान की टीम को पिंकी की तलाश की जिम्मेदारी दी गई थी। इसी बीच टीम को मुखबिर से उसके राजकम्मा आवासपारा में मौजूद होने की सूचना मिली। सूचना के आधार पर गुरुवार को टीम ने इलाके में दबिश दी और पिंकी को पकड़ लिया।आबकारी विभाग का कहना है कि कार्रवाई के दौरान उसके कब्जे से 7.2 लीटर महुआ शराब बरामद की गई। शराब जब्त करने के बाद उसके खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे जेल भेज दिया गया। इस मामले में पिंकी के भाई की भी तलाश की जा रही है। आबकारी टीम उसे पकड़ने के लिए मौके पर पहुंची थी, लेकिन वह टीम के पहुंचने से पहले या कार्रवाई के दौरान वहां से भाग निकला। विभाग की टीम उसकी तलाश में जुटी हुई है। पिंकी की गिरफ्तारी के बाद उसका एक पुराना मामला भी चर्चा में आ गया है। बताया जा रहा है कि इससे पहले पिंकी और उसके भाई ने कटघोरा थाने में पदस्थ दो पुलिसकर्मियों के खिलाफ अवैध वसूली का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई थी।

शिकायत में लगाए गए आरोपों के बाद मामले को गंभीरता से लिया गया था। उक्त शिकायत के बाद कोरबा एसपी सिद्धार्थ तिवारी ने कार्रवाई करते हुए संबंधित दोनों पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया था। अब शिकायतकर्ता पिंकी को आबकारी विभाग ने महुआ शराब के साथ पकड़े जाने का दावा किया है। हालांकि पुलिसकर्मियों के खिलाफ की गई पूर्व शिकायत और मौजूदा आबकारी प्रकरण अलग-अलग मामले हैं। आबकारी विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, जिले में अवैध शराब की बिक्री और परिवहन के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। अवैध महुआ शराब बनाने, रखने और बेचने वालों की जानकारी जुटाने के लिए विभाग की टीम संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रख रही है।अधिकारियों ने बताया कि अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई के लिए विशेष टीम भी बनाई गई है। टीम का विशेष फोकस महुआ शराब के साथ ही मध्य प्रदेश की ओर से आने वाली अवैध शराब की तस्करी पर है। सूचना मिलने पर संबंधित स्थानों पर दबिश देकर कार्रवाई की जा रही है। फिलहाल आबकारी विभाग ने पिंकी के कब्जे से 7.2 लीटर महुआ शराब जब्त करने का दावा करते हुए उसे जेल भेज दिया है। वहीं मामले में उसके भाई की तलाश जारी है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि अवैध शराब से जुड़ी गतिविधियों के खिलाफ आगे भी अभियान जारी रहेगा।

बस्तर में भारी बारिश से हालात बिगड़े ?

जगदलपुर। बस्तर में बुधवार रात से लगातार हो रही भारी बारिश से हालात बिगड़ने लगे हैं। इंद्रावती नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है और निचले इलाकों में अलर्ट जारी किया गया है। 25 सितंबर को जिले के सभी शासकीय, निजी और अनुदान प्राप्त स्कूल बंद रहेंगे। रेलवे ट्रैक पर लैंडस्लाइड के कारण किरंदुल-विशाखापट्टनम रूट की दो ट्रेनें और खराब मौसम के चलते जगदलपुर-हैदराबाद फ्लाइट रद्द कर दी गई है। बारिश के कारण कई सड़कें, पुलिया और रपट जलमग्न हैं। वहीं, गंगा मुंडा और श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड समेत कई निचली बस्तियों में जलभराव की

आरपीएफ राइजिंग डे की तैयारी तेज, 4 करोड़ से संवारा जा रहा रेलवे स्टेशन

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

आरपीएफ राइजिंग डे और रेलमंत्री के प्रस्तावित दौरे से पहले रेलवे स्टेशन को संवारने का काम तेजी से चल रहा है। स्टेशन के रंग-रोगन से लेकर मरम्मत, सफाई और यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाने तक कई काम किए जा रहे हैं। स्टेशन के नियमित मेंटेनेंस के लिए जहां सालाना करीब एक करोड़ रुपये का फंड बताया जा रहा है, वहीं इस बार स्टेशन को चमकाने और विभिन्न व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के लिए करीब चार करोड़ रुपये के काम कराए जा रहे हैं।कानून प्रवर्तन

रेलवे प्रशासन ने कार्यक्रम से पहले स्टेशन परिसर की तस्वीर बदलने के लिए अलग-अलग विभागों को जिम्मेदारी सौंपी है। प्लेटफॉर्म से लेकर मुख्य प्रवेश द्वार तक साफ-सफाई और मरम्मत का काम चल रहा है। दीवारों और अन्य हिस्सों पर रंग-रोगन किया जा रहा है। जहां टूट-फूट है, वहां मरम्मत कर व्यवस्था दुरुस्त की जा रही है। रेलमंत्री के प्रस्तावित दौरे के कारण काम की रफ्तार भी बढ़ा दी गई है। रेलवे के अधिकारी लगातार स्टेशन पर चल रहे कार्यों का निरीक्षण कर रहे हैं। संबंधित एजेंसियों और कर्मचारियों को निर्धारित समय के भीतर सभी जरूरी काम पूरे करने के निर्देश दिए गए हैं। कोशिश है कि कार्यक्रम से पहले स्टेशन परिसर पूरी तरह व्यवस्थित नजर आए।स्टेशन पर यात्रियों से जुड़ी सुविधाओं पर भी ध्यान दिया जा रहा है। प्रतीक्षालय, प्लेटफॉर्म, संकेतक, लाइटिंग, पेयजल और सफाई व्यवस्था को बेहतर करने के लिए काम किए जा रहे हैं। स्टेशन के उन हिस्सों को भी दुरुस्त किया जा रहा है, जहां लंबे समय से मरम्मत की जरूरत महसूस की जा रही थी।इस बीच खर्च को लेकर भी चर्चा है। स्टेशन के नियमित रखरखाव के लिए सालाना करीब एक करोड़ रुपये का मेंटेनेंस फंड होने की बात सामने आई है। इसके मुकाबले आरपीएफ राइजिंग डे और रेलमंत्री के दौरे से पहले करीब चार करोड़ रुपये के काम कराए जाने से सवाल उठ रहे हैं कि नियमित रखरखाव और विशेष तैयारियों पर खर्च होने वाली राशि में इतना अंतर क्यों है। आरपीएफ राइजिंग डे को लेकर रेलवे सुरक्षा बल भी अपनी तैयारियों में जुटा है। कार्यक्रम में रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों और अन्य अतिथियों के शामिल होने की संभावना को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। स्टेशन और आसपास के क्षेत्रों में व्यवस्थाओं की समीक्षा भी की जा रही है।रेलवे प्रशासन का फोकस केवल सौंदर्यीकरण तक सीमित नहीं है। स्टेशन परिसर में आवश्यक मरम्मत और यात्री सुविधाओं से संबंधित कार्य भी किए जा रहे हैं। अधिकारियों की निगरानी में काम तेजी से पूरा किया जा रहा है, ताकि कार्यक्रम के दौरान किसी तरह की अव्यवस्था सामने न आए। रेलमंत्री के दौरे और आरपीएफ राइजिंग डे से पहले चल रहे इन कार्यों के पूरा होने पर स्टेशन का स्वरूप बदला हुआ नजर आएगा। हालांकि सालाना एक करोड़ रुपये के मेंटेनेंस फंड के मुकाबले चार करोड़

मुख्य मार्ग पर यातायात प्रभावित हुआ है

24 घंटे की बारिश से सरगी नाला उफना, भारी वाहनों की आवाजाही बंद

एक सत बुलेटिन ➤ गरियाबंद

जिले के फिंगेश्वर क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश के कारण जनजीवन प्रभावित होने लगा है। बीते 24 घंटे से जारी बारिश के चलते सरगी नाला उफान पर आ गया है। नाले का पानी रपटेनुमा पुलिया के ऊपर से बह रहा है, जिसके कारण फिंगेश्वर-महासमुंद मुख्य मार्ग अवरुद्ध हो गया है। हालात को देखते हुए प्रशासन भी अलर्ट मोड पर है और लोगों से सावधानी बरतने की अपील की जा रही है। लगातार बारिश के कारण सरगी नाले का जलस्तर तेजी से बढ़ा है। पुलिया के ऊपर से तेज बहाव के साथ पानी गुजरने के कारण यहां से वाहनों का निकलना जोखिम भरा हो गया है। किसी भी तरह की अनहोनी से बचने के लिए भारी वाहनों की आवाजाही रोक दी गई है। इससे मुख्य मार्ग पर यातायात प्रभावित हुआ है।

फिंगेश्वर-महासमुंद मार्ग क्षेत्र का महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है। इस रास्ते से प्रतिदिन बड़ी संख्या में छोटे-बड़े वाहन गुजरते हैं। सरगी नाले में पानी बढ़ने के बाद भारी वाहनों की आवाजाही बंद होने से वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मार्ग बंद होने के कारण कई वाहन चालकों को दूसरे रास्तों का सहारा लेना पड़ रहा है। वहीं स्थानीय लोगों को भी आवागमन में परेशानी हो रही है। बारिश जारी रहने की स्थिति में नाले का जलस्तर और बढ़ने की आशंका बनी हुई है।

पुलिया के ऊपर बह रहा पानी

सरगी नाले पर बनी रपटेनुमा पुलिया के ऊपर से पानी बहने के कारण यहां स्थिति संवेदनशील बनी हुई है। ऐसे स्थानों पर पानी की गहराई और बहाव का अंदाजा लगाना मुश्किल होता है। प्रशासन किसी भी दुर्घटना की आशंका को देखते हुए स्थिति पर नजर बनाए हुए है। लोगों को उफनते नाले और पुलिया को पार करने का जोखिम नहीं उठाने की सलाह दी जा रही है। खासकर दोपहिया और छोटे वाहन चालकों के लिए तेज बहाव के बीच पुलिया पार करना खतरनाक हो सकता है।

लगातार बारिश से बढ़ी परेशानी

फिंगेश्वर क्षेत्र में बीते 24 घंटे से बारिश का दौर जारी है। लगातार पानी गिरने से नाले और आसपास के जलस्त्रोतों का जलस्तर बढ़ गया है। सरगी नाले में

सेवा संकल्प अभियानः शक्ति नगर वार्ड-18 में आयोजित हुआ आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम

एक सत बुलेटिन ➤ दुर्ग

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शक्ति नगर वार्ड-18 स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में 'आंगन मिलन सेवा' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा संगठन वृत्ति चंद्राकर, एमआईसी सदस्य ठेवनारायण चंद्राकर एवं महिला मोर्चा अध्यक्ष अंजु तिवारी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बच्चों के लिए फैंसी ड्रेस एवं गोली-चम्मच खेल प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें कुल 25 बच्चों ने भाग लिया। महिलाओं के लिए बिंदी लगाओ प्रतियोगिता भी कराई गई, जिसमें प्रागेर चौधरी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।कार्यक्रम के दौरान बच्चों का वजन एवं स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। स्वस्थ बच्चों को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। गर्भवती महिला डेनिन सायका की गोदभराई की रस्म तथा 6 माह पूर्ण कर

चुकी विशिका साय का अन्नप्राशन कराया गया। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं को पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी गई। एएनएम पूजा वर्मा द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण एवं टीबी स्क्रीनिंग की गई। कार्यक्रम में 8 गर्भवती महिलाएं, 8 धात्री महिलाएं, 5 किशोरी बालिकाएं तथा 21 अन्य महिला हितग्राही उपस्थित रहीं। वार्ड-18 समिति के उपाध्यक्ष नरेश सिन्हा द्वारा 24 बच्चों को न्यौता भोज कराया गया। कार्यक्रम के अंत में बच्चों को पुरस्कार प्रदान किए गए तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका एवं मितानिन का सम्मान किया गया। स्वल्पाहार के साथ

आबकारी टीम ने पिंकी को किया गिरफ्तार, 7.2 लीटर महुआ शराब जब्त

एक सत बुलेटिन ➤ कोरबा

जिले में अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत आबकारी विभाग ने राजकम्मा आवासपारा में कार्रवाई करते हुए 22 वर्षीय सैजल उर्फ पिंकी ध्रुव को गिरफ्तार किया है। आबकारी विभाग के अनुसार उसके कब्जे से 7.2 लीटर महुआ शराब जब्त की गई है। आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर उसे जेल भेज दिया गया है। आबकारी विभाग के मुताबिक, सैजल उर्फ पिंकी ध्रुव की तलाश पिछले कुछ दिनों से की जा रही थी। इससे पहले 20 सितंबर को आबकारी विभाग की टीम ने इलाके में अवैध शराब को लेकर कार्रवाई की थी। उस दौरान पिंकी टीम को चकमा देकर मौके से भागने में सफल हो गई थी।द्यह्यश ऋद्धड्डस्त्र - नक्सलवाद से प्रभावित रहे क्षेत्रों में शांति के साथ खुल रहे विकास और समृद्धि के नए द्वार- मुख्यमंत्री साय ज़्यादा जानें ताजा खबर पढ़ें ठ्ठद्द2ह्य राज्य 20 सितंबर की कार्रवाई के दौरान उसकी साथी भगवती ध्रुव को आबकारी टीम ने पकड़ा था। विभाग के अनुसार भगवती ध्रुव के कब्जे से 13.2 लीटर महुआ शराब बरामद की गई थी। वहीं पिंकी के फरार हो जाने के बाद से आबकारी विभाग की टीम लगातार उसकी तलाश कर रही थी। आबकारी उपनिरीक्षक दीपमाला लक्षवानी और आरक्षक अभिषेक चौहान की टीम को पिंकी की तलाश की जिम्मेदारी दी गई थी। इसी बीच टीम को मुखबिर से उसके राजकम्मा आवासपारा में मौजूद होने की सूचना मिली। सूचना के आधार पर गुरुवार को टीम ने इलाके में दबिश दी और पिंकी को पकड़ लिया।दौरान उसके कब्जे से 7.2 लीटर महुआ शराब बरामद की गई। शराब जब्त करने के बाद उसके खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे जेल भेज दिया गया। इस मामले में पिंकी के भाई की भी तलाश की जा रही है। आबकारी टीम उसे पकड़ने के लिए मौके पर पहुंची थी, लेकिन वह टीम के पहुंचने से पहले या कार्रवाई के दौरान वहां से भाग निकला। विभाग की टीम उसकी तलाश में जुटी हुई है। पिंकी की गिरफ्तारी के बाद उसका एक पुराना मामला भी चर्चा में आ गया है। आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई थी। उक्त शिकायत के बाद कोरबा एसपी सिद्धार्थ तिवारी ने कार्रवाई करते हुए संबंधित दोनों पुलिसकर्मियों को

नगर पंचायत साजा के 41 बिजली कनेक्शन कटे, 1.47 करोड़ से ज्यादा बकाया

एक सत बुलेटिन ➤ बेमेतरा

बेमेतरा जिले के साजा नगर पंचायत में लंबे समय से बिजली बिल का भुगतान नहीं करने पर विद्युत वितरण कंपनी ने बड़ी कार्रवाई की है। बिजली विभाग ने नगर पंचायत साजा और वाटर वर्क्स से जुड़े कुल 41 बिजली कनेक्शन काट दिए हैं। नगर पंचायत पर बिजली बिल की 1 करोड़ 47 लाख रुपए से अधिक की राशि बकाया बताई जा रही है। कनेक्शन कटने के बाद अब नगर की पेयजल व्यवस्था सहित अन्य जरूरी सेवाओं पर असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है।

विद्युत वितरण कंपनी के अधिकारियों के अनुसार, नगर पंचायत साजा की ओर से लंबे समय से बिजली बिल का भुगतान नहीं किया जा रहा था। समय पर भुगतान नहीं होने के कारण बकाया राशि लगातार बढ़ती गई। विभाग की ओर से बकाया बिजली बिल के भुगतान को लेकर प्रक्रिया के बाद कनेक्शन काटने की कार्रवाई की गई। बिजली विभाग ने नगर पंचायत साजा

और वाटर वर्क्स से संबंधित कुल 41 बिजली कनेक्शन काटे हैं। कार्रवाई के बाद नगर पंचायत से जुड़े कई बिजली आधारित कार्य प्रभावित होने की स्थिति बन गई है। सबसे ज्यादा चिंता वाटर वर्क्स के कनेक्शन कटने को लेकर है, क्योंकि इसका सीधा संबंध नगर की पेयजल व्यवस्था से है।वाटर वर्क्स में बिजली आपूर्ति बाधित होने के कारण नल-जल योजना के संचालन में परेशानी आने की आशंका है। यदि बिजली कनेक्शन जल्द बहाल नहीं हुए तो नगर में पेयजल आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। इससे नगरवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा नगर पंचायत की अन्य जरूरी सेवाएं भी बिजली आपूर्ति पर निर्भर हैं। ऐसे में 41 कनेक्शन काटे जाने के बाद संबंधित व्यवस्थाओं के संचालन को लेकर भी स्थिति चुनौतीपूर्ण हो गई है। हालांकि पेयजल व्यवस्था पर वास्तविक प्रभाव कितना पड़ेगा, यह बिजली कनेक्शन बहाल होने और वैकल्पिक

वर्ष 2021-22 में यहां 189 बच्चों के उपचार के साथ दर्ज दर 73 प्रतिशत थी

कुपोषण की पीड़ा से स्वस्थ और खुशहाल बचपन की ओर बढ़ रहे बच्चे

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

बचपन यानी खेलना, दौड़ना, हंसना, सीखना और सपने देखना। लेकिन जब कोई बच्चा कुपोषण की गिरफ्त में आता है तो कमजोरी उसके शरीर के साथ उसके सामान्य बचपन को भी प्रभावित करने लगती है। ऐसे बच्चों को समय पर उपचार और पोषण देकर स्वस्थ जीवन की ओर वापस लाने में पोषण पुनर्वास केंद्र महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। सेवा संकल्प अभियान के बीच सरगुजा जिले के शासकीय रघुनाथ जिला चिकित्सालय, अम्बिकापुर में संचालित पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) से सामने आ रही बच्चों की कहानियां इसी बदलाव की तस्वीर पेश करती हैं। यहां कुपोषित बच्चों को चिकित्सकीय देखभाल और पोषण पुनर्वास के साथ माता-पिता को भी बच्चे के खान-पान और देखभाल से जुड़ी आवश्यक जानकारी दी जा रही है। यहां किसी बच्चे का बढ़ता हुआ वजन महज तराजू पर बदलता आंकड़ा नहीं है। उसके पीछे बच्चे की बेहतर होती पोषण स्थिति, माता-पिता की उम्मीद और स्वास्थ्यकर्मियों की सतत देखभाल जुड़ी है। यह उस बचपन को वापस पाने की कोशिश है, जिसे कुपोषण ने

कमजोर कर दिया था।

कुपोषण केवल कम वजन की समस्या नहीं

कुपोषण को केवल बच्चे के दुबले या कमजोर दिखाई देने तक सीमित करके नहीं देखा जा सकता। गंभीर कुपोषण बच्चे की रोग प्रतिरोधक क्षमता और वृद्धि-विकास को प्रभावित कर सकता है। लंबे समय तक पर्याप्त पोषण नहीं मिलने का असर बच्चे के शारीरिक विकास के साथ सीखने और सामान्य गतिविधियों में उसकी भागीदारी पर भी पड़ सकता है। यही कारण है कि कुपोषण की समय पर पहचान और उपचार महत्वपूर्ण है। बच्चे को उचित पोषण और चिकित्सकीय देखभाल देकर स्वस्थ वृद्धि की दिशा में आगे बढ़ाना उसके वर्तमान स्वास्थ्य के साथ भविष्य में निवेश भी है।

जहां उपचार के साथ लौटता है बचपन

पोषण पुनर्वास केंद्र गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों के उपचार और पोषण पुनर्वास की महत्वपूर्ण व्यवस्था है। यहां बच्चे की स्वास्थ्य एवं पोषण स्थिति की निगरानी, आवश्यक चिकित्सकीय देखभाल और पोषणयुक्त आहार उपलब्ध कराने के साथ माता-पिता को बच्चे की देखभाल तथा खान-पान से जुड़ी जानकारी भी दी जाती है। इस व्यवस्था का उद्देश्य केवल बच्चे का वजन बढ़ाना नहीं, बल्कि उसे स्वस्थ वृद्धि की दिशा में आगे बढ़ाना और परिवार को ऐसी जानकारी देना भी है जिससे घर लौटने के बाद बच्चे के पोषण का बेहतर ध्यान रखा जा सके।

20 बिस्तरों का केंद्र, सैकड़ों बच्चों के लिए उम्मीद

शासकीय रघुनाथ जिला चिकित्सालय, अम्बिकापुर में संचालित 20 बिस्तरों वाला पोषण पुनर्वास केंद्र कुपोषित बच्चों और उनके परिवारों के लिए उम्मीद का केंद्र बन रहा है। वर्ष 2021-22 में यहां 189 बच्चों के उपचार के साथ दर्ज दर 73 प्रतिशत थी।

विकसित ग्राम पंचायत योजना तैयार करने राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण आयोजित

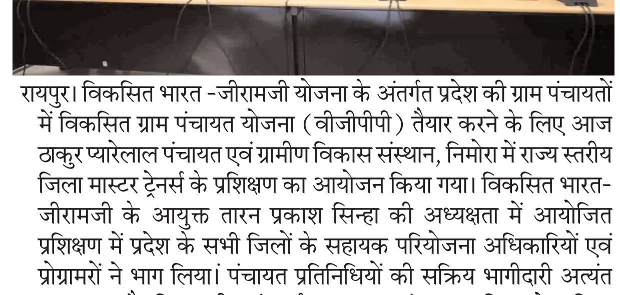

रायपुर। विकसित भारत -जीरामजी योजना के अंतर्गत प्रदेश की ग्राम पंचायतों में विकसित ग्राम पंचायत योजना (वीजीपीपी) तैयार करने के लिए आज ठाकुर प्यारेलाल पंचायत एवं ग्रामीण विकास संस्थान, निमोरा में राज्य स्तरीय जिला मास्टर ट्रेनर्स के प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। विकसित भारत-जीरामजी के आयुक्त तारन प्रकाश सिन्हा की अध्यक्षता में आयोजित प्रशिक्षण में प्रदेश के सभी जिलों के सहायक परियोजना अधिकारियों एवं प्रोग्रामरों ने भाग लिया। पंचायत प्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। कि बस्ती एवं वार्ड स्तर तक पहुंचकर अधिक से अधिक ग्रामीणों की सहभागिता सुनिश्चित की जाए। प्रशिक्षण में ग्राम पंचायत स्तर पर ग्रामीणों की सहभागिता से विकास योजना तैयार करने, डिजिटल मैपिंग, परिसंपत्तियों के सत्यापन और योजनाओं के समेकन की प्रक्रिया के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण का उद्देश्य जिला मास्टर ट्रेनर्स को योजना निर्माण की संपूर्ण प्रक्रिया से अवगत कराना है, ताकि ग्राम पंचायत स्तर पर निर्धारित समय-सीमा में योजनाएं तैयार की जा सकें।

एक सत प्रयास जनकल्याण समिति के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक **अभिषेक शर्मा** द्वारा 202, भाटागांव चौराहा , रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन 492015 से प्रकाशित एवं आसमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड , गॉस मेमोरियल हाल के पास , जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित।

संपादक - रिज़वान आज़म, **समूह संपादक**- महेश कुमार तिवारी ईमेल - eksatbulletin@gmail.com R.N.I Number - CHHHIN/2020/78457 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार ।